卐 श्री सदगुरू देवाय नमः卐 卐ओ३म्卐 卐 जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी卐卐जय बाबा की卐卐श्याम बाबा卐卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐

उल्लंघ्य सिन्धोः सलिलं सलीलं,यः शोकवह्निं जनकात्मजायाः आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारुत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये

केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त

हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 24 ♦अंक 309 ♦पृष्ठ 8 ♦रूद्रपुर(ऊधमसिंहनगर) ♦बुधवार ♦21 अगस्त 2024 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com 9897427585 UTTARANCHAL DARPAN www.uttaranchaldarpan.in

दर्दनाक हादसे में गर्भवती महिला सहित चार की मौत

देर रात तेज रफ्तार कार ने ई रिक्शा को मारी जोरदार टक्कर, दो की हालत गंभीर, जिला अस्पताल से लौट रहा था परिवार

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। नैनीताल हाईवे पर आज तड़के भीषण सड़क हादसा हो गया। रिमझिम वर्षा के बीच अनियंत्रित कार चालक ने सवारियों से भरे लौट रहे थे। मृतकों में ई-रिक्शा चालक 30 वर्षीय मनोज साहनी पुत्र भुल्लन निवासी ग्राम भूरारानी, 45 वर्षीय उर्मिला साहनी पत्नी स्व. लोहा साहनी निवासी

ई-रिक्शा को जोरदार टक्कर मार दी। तडके करीब सवा तीन बजे पीएसी गेट के पास हुए इस हादसे में एक गर्भवती महिला समेत चार लोगों की मौत हो गई। यह लोग गर्भवती महिला को जिला अस्पताल में दिखाने के बाद वापस घर ग्राम भूरारानी, 35 वर्षीय विभा साहनी पत्नी प्रमोद साहनी निवासी सुभाष कालोनी और गर्भवती महिला 20वर्षीय ज्योति पत्नी रविन्द्र कुमार निवासी भूरारानी शामिल हैं वहीं कार चालक बरेली निवासी बबलू घटना के तत्काल बाद कार

में लगा एयर खुल जाने से गंभीर रूप से घायल होने से बच गया। इस दुर्घटना में ई रिक्शा सवार 38 वर्षीय कांति देवी पत्नी दिनेश साहनी निवासी ग्राम भूरारानी व 36 वर्षीय ललिता पत्नी सुबोध साहनी निवासी भूरारानी और कार चालक बबलू (27) निवासी बरेली घायल है। घायलों को उपचार के लिए हायर सेंटर रेफर किया गया है। मामले की जानकारी मिलते ही एसएसपी, एसडीएम, पीएमएस, तहसीलदार सहित कई अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद पोस्टमार्टम हाऊस पहुंचकर मृतकों के परिजनों से मुलाकात कर घटना पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए उन्हें सांत्वना दी। जानकारी के अनुसार आज तड़के लगभग तीन बजे भूरारानी निवासी गर्भवती महिला ज्योति को दिखाने के लिए उसके परिजन उर्मिला साहनी, विभा साहनी, ललिता साहनी व कांति साहनी ई रिक्शा संख्या यूके 06 ईआर 3171 के चालक ग्राम भूरारानी निवासी मनोज साहनी के साथ ई रिक्शा में सवार होकर जिला चिकित्सालय ले गये थे। जहां उसका स्वास्थ्य परीक्षण करवाने के बाद जब परिवार के सभी लोग घर वापस लौट रहे थे। तभी नैनीताल रोड़ पर पीएसी गेट के सामने (शेष पृष्ठ सात पर)

रात को बिना लाईट के दौड़ते हैं ई-रिक्शा

दुर्घटना से ई-रिक्शा चालकों को लेना चाहिये सबक

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। नैनीताल हाईवे पर आज तड़के हुये हादसे से अन्य ई-रिक्शा चालकों को सबक लेने की जरूरत है। रात्रि में चलने वाले ई-रिक्शा चालक बैटरी बचाने के चक्कर में बिना लाईट के ही वाहन सड़कों पर दौड़ाते रहते है। ई-रिक्शा चालक अपने वाहन पर छोटी सी एलईडी लाईट लगाकर केवल खाना पूर्ति करते है। लेकिन अंधेरी सड़कों पर यह लाईट नाकाफी होती है। यही नही हाईवे पर दौड़ने वाले अधिकांश ई-रिक्शा के बैकसाइड में भी कोई लाईट नही लगी होती है और न ही इंडीगेटर होता है। यदि लगा भी होता है तो ई-रिक्शा चालक इसे चलाते नही है। नैनीताल हाईवे पर आज तड़के हुये हादसे का शिकार हुये ई-रिक्शा में भी बैक साईड में कोई लाईट नही होने की जानकारी मिली है। आज सुबह-सुबह हुये इस भीषण दुर्घटना से अन्य ई-रिक्शा चालकों को सबक लेना चाहिये और रात्रि में अपने ई-रिक्शा की सभी लाईटों को चालू कर ही उन्हे सड़क पर दौड़ाना चाहिये।

लापरवाही: भर्ती कर लेते तो बच जाती चारों की जान

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। जिला चिकित्सालय में डिलीवरी के लिये आई महिला को चिकित्सक भर्ती कर लेते तो शायद यह हादसा बच सकता था लेकिन जिला चिकित्सालय के चिकित्सक द्वारा भारी बरसात के बावजूद गर्भवती महिला को बैरंग लौटा दिया गया और गर्भवती महिला सहित चार लोग काल का ग्रास बन गये। यही नही इस दुनिया में आने से पहले ही गर्भस्थ शिशु को भी मौत ने अपनी बांहों में समेट लिया। बताया जाता है कि 9 माह की गर्भवती महिला ज्योति को दर्द उठने पर उसके परिजन रात्रि करीब 1 बजे के आसपास ई-रिक्शा में सवार होकर जिला चिकित्सालय लेकर पहुंचे थे। रात्रि ड्यूटी में तैनात चिकित्सक और स्टाफ द्वारा चेकअप के बाद सब

कुछ सामान्य बताते हुये गर्भवती महिला को वापिस घर ले जाने के लिये कह दिया। परिजनों का आरोप है कि गर्भवती महिला के प्रसव का समय पूरा हो चुका था जिसके चलते ही महिला को प्रसव का दर्द हो रहा था लेकिन ड्यूटी में तैनात स्टाफ द्वारा महिला को भर्ती न कर भारी बरसात में घर जाने को कह दिया गया। जिसके चलते करीब रात्रि 3 बजे गर्भवती महिला सहित सभी परिजन ई-रिक्शा पर सवार होकर वापिस घर के लिये निकल पड़े और पीएसी के पेट्रोल पम्प के पास भीषण हादसा हो गया जिसमें गर्भवती महिला सहित (शेष पृष्ठ सात पर)

दुर्घटना की मजिस्ट्रेटी जांच के दिये आदेश

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। नैनीताल रोड पर हुए भीषण सड़क हादसे की डीएम ने मजिस्ट्रेटी जांच के आदेश दिये है साथ ही मृतकों के परिजनों को शासन से मुआवजा दिलाने का भी आश्वासन दिया है। बुधवार की तड़के हुए हादसे के बाद पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने उज्जैन से दूरभाष पर जिलाधिकारी उदय राज सिंह से घटना की मजिस्ट्रीयल जांच, पीड़ित परिवारों को मुआवजा देने और जिला अस्पताल के इमरजेंसी डाक्टर के खिलाफ कार्रवाई को लेकर बात की। ठुकराल ने कहा कि देर रात गर्भवती महिला को जिला अस्पताल में उपचार के लिए ले जाया गया था लेकिन जिला अस्पताल से (शेष पृष्ठ सात पर)

भराणीसैंण में विधानसभा मानसून सत्र शुरू

देहरादून (उद संवाददाता)। ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैंण की भराड़ीसैंण विधानसभा में तीन दिवसीय मानसून सत्र बुधवार को शुरू हो गया। सत्र के पहले दिन सबसे पहले सदन में दिवगंत विधायकों को श्रद्धांजलि दी गई। सत्र के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण, संसदीय कार्यमंत्री प्रेमचंद अग्रवाल समेत मंत्री व विधायक भराड़ीसैंण पहुंचे हैं। तीन दिवसीय सत्र में प्रदेश सरकार की ओर से कल पांच हजार करोड़ रुपये का अनुपूरक बजट सदन में पेश किया

जाएगा। इसके अलावा कई विधेयक व प्रतिवेदन रिपोर्ट पटल पर रखी जाएगी। विपक्ष की ओर से केदारनाथ समेत प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में आई आपदा, महिलाओं के साथ सामूहिक दुष्कर्म और हत्या के बढ़ते मामले, भ्रष्टाचार के मुद्दे पर सदन के अंदर व बाहर सरकार को घेरने की रणनीति बनायी है। विधानसभा सत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष के विधायकों के 500 से अधिक सवाल मिले हैं। इन सवालों पर सदन में चर्चा की जाएगी। वहीं विपक्ष के तेवरों को देखते हुए भराड़ीसैंण में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गयी है।

सरेआम बालक को अगवा करने का प्रयास

सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई फुटेज

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। जिला मुख्यालय में पुलिस की निष्क्रियता के चलते अपराधियों के हौसले इस कदर बुलंद है कि अपराधी आए दिन मारपीट, लूट, छेड़छाड़, चोरी और फायरिंग की घटना को अंजाम दे रहे हैं। पुलिस इन अपराधियों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं करती इसी के चलते अपराधियों के हौसले बुलंद होते जा रहे हैं। अब एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा मामा के घर से वापस

लौट रहे बच्चे को खेड़ा कालोनी के भीड़भाड़ वाले क्षेत्र से अगवा कर लिया गया। बालक द्वारा होशियारी दिखाकर उस व्यक्ति के हाथ में काट लिया इसके बाद उसने बालक को छोड़ दिया और मौके से फरार हो गया। बालक दौड़ा दौड़ा घर आया और परिजनों को पूरे मामले की जानकारी दी। जिससे परिजनों के पैरों तले जमीन खिसक गई और उन्होंने रम्पुरा चौकी पुलिस को तहरीर देकर बालक को अगवा करते वाले व्यक्ति को पकड़ने को कहा। लेकिन पुलिस ने अब तक तहरीर पर कोई कार्रवाई (शेष पृष्ठ सात पर)

नाले में बहे बाइक सवार तीन युवक,एक की मौत

कालाढुंगी(उद संवाददाता)। जनपद में मूसलाधार बारिश से गधेरे और बरसाती

नारे उफान पर आने से जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। कालाढूंगी थाना क्षेत्र के अंतर्गत कोटाबाग चौकी क्षेत्र के फतेहपुर क्षेत्र में बैगड़ नाले के तेज बहाव में देर शाम बाइक सवार तीन युवक बह गये। जिनमें से एक की मौत हो गयी जबकि दो को अस्पताल भर्ती करायाग या है। जानकारी के अनुसार 26 वर्षीय मनीष सती पुत्र स्वर्गीय विपिन चंद्र सती निवासी-रामनगर, 26 वर्षीय नमन उपाध्याय पुत्र भुवन चंद्र निवासी-रामनगर एवं 28 वर्षीय बलवंत पुत्र पूरन सिंह निवासी-रामनगर मंगलवार को घूमने के लिए कोटाबाग के (शेष पृष्ठ सात पर)

बरसाती नाले में बहे वाहन में सवार चार लोगों के लिए देवदूत बनी पुलिस

रामनगर (उद संवाददाता)। बरसाती नाले में बही कार में सवार चार लोगों को पुलिस ने रेस्थ्यू कर बचा लिया। चारों लोग रामनगर से रानीखेत जा रहे थे। जानकारी के अनुसार मंगलवार शाम वाहन संख्या यूके- 04एम 1911 पर चार लोग रामनगर से रानीखेत को जा रहे थे। सीआवीआर रिसोर्ट के पास नाला आ जाने के कारण वाहन नाले में बह गया। सूचना मिलने पर भूपेंद्र सिंह भंडारी पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुँचे और स्थानीय लोगों के (शेष पृष्ठ सात पर)

एसआईटी ने शुरू की नर्स हत्याकाण्ड की जांच

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। नर्स तस्लीम जहां हत्याकांड के खुलासे पर उठे सवाल के बाद गठित एसआईटी ने मामले की जांच शुरू कर दी है। बता दें बीते दिनों नैनीताल रोड स्थित फुटेला अस्पताल की नर्स तस्लीम जहां की रेप के बाद हत्या कर दी गयी थी। हालाकि मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर घटना का खुलासा कर दिया है लेकिन इस खुलासे से परिजन संतुष्ट नहीं है। परिजनों के साथ ही तमाम संगठन पुलिस के खुलासे पर सवाल उठा रहे हैं। जिले भर में घटना के खिलाफ रोष है और पुलिस के खिलाफ विरोध प्रदर्शन और सीबीआई जांच की मांग उठ रही है।

विरोध को देखते हुए मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ0 मंजुनाथ टीसी के निर्देश पर घटनास्थल का पुनः निरीक्षण करके बारीकी से तथ्य जुटाये जा रहे हैं। बुधवार सुबह एसपी सिटी तथा सहायक पुलिस अधीक्षक/ क्षेत्राधिकारी रुद्रपुर के नेतृत्व में तस्लीम जहां के हत्या कांड में गठित एसआईटी द्वारा घटना के संबंध में गहन विवेचनात्मक कार्यवाही की गयी। घटना स्थल से टीम नेविभिन्न पहलुओं पर ठोस तकनीकि तथा भौतिक साक्ष्य संकलित किए गए।

गैरसैंण में सत्र का आगाज: विधानसभा परिक्षेत्र छावनी में तब्दील

सदन को गरमाएंगे पांच सौ से अधिक सवाल: सत्र के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, विस स्पीकर ऋतु खंडूड़ी भूषण, संसदीय कार्यमंत्री प्रेमचंद अग्रवाल समेत मंत्री व विधायक भी भराड़ीसैंण पहुंचे

भराड़ीसैंण। ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैंण के भराड़ीसैंण विधानसभा में मानसून सत्र बुधवार से शुरू होगा। सदन की कार्यवाही व्यवस्थित ढंग से चले, इसके लिए विधानसभा सचिवालय ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। भराड़ीसैंण में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। विपक्ष ने सदन के अंदर और बाहर आपदा और कानून व्यवस्था समेत अन्य मुद्दों पर सरकार को घेरेगी, जबकि प्रदेश सरकार ने विपक्ष के हर सवाल का जवाब देने के लिए रणनीति बनाई है। भराड़ीसैंण में पहली बार मानसून सीजन में सत्र आयोजित हो रहा है। सत्र के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण, संसदीय कार्यमंत्री प्रेमचंद अग्रवाल समेत मंत्री व विधायक भराड़ीसैंण पहुंच गए हैं। लगभग डेढ़ साल बाद सरकार के पहुंचने से भराड़ीसैंण में रौनक लौटी है। भराड़ीसैंण विधानसभा के आसपास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई है। विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण ने मंगलवार को भराड़ीसैंण पहुंच कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। 21 अगस्त से शुरू होने वाले तीन दिवसीय सत्र में प्रदेश सरकार की ओर से पांच हजार करोड़ रुपये का अनुपूरक बजट सदन में पेश किया जाएगा। इसके अलावा कई विधेयक व प्रतिवेदन रिपोर्ट पटल पर रखी जाएगी। विपक्ष की ओर से केदारनाथ समेत प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में आई आपदा, महिलाओं के साथ सामूहिक दुष्कर्म और हत्या के बढ़ते मामले, भ्रष्टाचार के मुद्दे पर सदन के अंदर व बाहर सरकार को घेरने की रणनीति है, जबकि सत्ता पक्ष सदन में विपक्ष के हर सवाल का मजबूती के साथ जवाब देगा। विधानसभा सत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष के विधायकों के सवाल सदन को गरमाएंगे। विधानसभा सचिवालय को 500 से अधिक सवाल मिले हैं। इन सवालों पर सदन में चर्चा की जाएगी। वहीं बुधवार से आयोजित होने वाले विधानसभा के मानसून सत्र के लिए विधानसभा परिक्षेत्र छावनी में तब्दील हो गया है। ड्यूटी पर तैनात सुरक्षाकर्मी हेलमेट और बॉडी प्रोटेक्टर से लैस होंगे। विस परिक्षेत्र में मोबाइल टॉवरों, पानी की टंकियों की सुरक्षा भी बढ़ाई गई है। बिना पास के कोई भी विस परिसर में नहीं प्रवेश कर पाएगा। मंगलवार को विधानसभा परिसर में पुलिस महानिरीक्षक गढ़वाल परिक्षेत्र करन सिंह नगन्याल और चमोली के पुलिस अधीक्षक सर्वेश पंवार ने ब्रीफ करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात सुरक्षा बलों को किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए चौकस रहने के लिए कहा। साथ ही घटना की फोटो और वीडियोग्राफी, सुरक्षाकर्मी का संयमित व्यवहार के साथ ही निर्विघ्न यातायात के बारे में जानकारी दी गई। कहा कि विस के अंदर किसी प्रकार की सामग्री को वर्जित किया गया है। उन्होंने निर्देश दिए कि बैरियर ड्यूटी पर नियुक्त अधिकारी और कर्मचारी जुलूस या धरना प्रदर्शन के दौरान सतर्क रहेंगे। दोनों अधिकारियों ने पुलिस बल को हेलमेट, डंडा, बॉडी प्रोटेक्टर आदि आवश्यक सुरक्षा उपकरणों के साथ ड्यूटी पर तैनात रहने को कहा। ब्रीफिंग के पश्चात विधानसभा सत्र की सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद करने के लिए फुल ड्रेस रिहर्सल की गई। इस दौरान पुलिस महानिरीक्षक गढ़वाल परिक्षेत्र एंव पुलिस अधीक्षक चमोली द्वारा विधानसभा भवन के अंदर और बाहर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। विभिन्न ड्यूटी पॉइंट्स पर तैनात पुलिस बल को उनके दायित्वों के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए गए। सभी कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिया गया कि ड्यूटी के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यह सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएँगे कि सभी सुरक्षा प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन किया जाए और विधानसभा सत्र शांतिपूर्वक संपन्न हो सकें। विस सत्र में अपर पुलिस अधीक्षक 04, पुलिस उपाधीक्षक-14, प्रभारी निरीक्षक/ थानाध्यक्ष 27, उपनिरीक्षक-35, महिला उपनिरीक्षक-16, अपर उपनिरीक्षक- 31, मुख्य आरक्षी92, आरक्षी- 291, महिला आरक्षी-40, यातायात निरीक्षक -01, यातायात उपनिरीक्षक-05, यातायात मुख्य आरक्षी-12, यातायात आरक्षी-31, पीएसी 05 कंपनी, 01 प्लाटून व डेढ़ सेक्शन व फायर यूनिट-09 तैनात किए गए हैं। जिन पर सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी रहेगी।

नाम मात्र के लिए चले हैं विधानसभा के सत्र: यशपाल आर्य

कांग्रेस राज्य में बढ़ती बेरोजगारी और महंगाई, चारधाम यात्रा व्यवस्था में सरकार की नाकामी, आपदा , चौपट कानून व्यवस्था और भ्रष्टाचार, लगातार बढ़ रही दुर्घटनाओं के कारण जन-धन की हानि जैसे ज्वलंत मुद्दों को उठायेगी

देहरादून/गैरसैंण। भराड़ीसैंण में विधानसभा सत्र के पहुंचे कांग्रेस विधायक एवं नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि गैरसैंण - भराड़ीसैंण में आहूत कांग्रेस विधानमंडल दल की बैठक में विधानसभा सत्र के दौरान उठाये जाने वाले विभिन्न ज्वलंत प्रादेशिक मुद्दों पर सविस्तार चर्चा हुई। कांग्रेस सदन में मिल रहे हर सेकंड का सदुपयोग करते हुए प्रदेश के ज्वलंत मुद्दों पर सरकार को सदन में पुरजोर तरीके से घेर कर जबाबदेह बनाएगी। कांग्रेस नियमों और परम्परा के विपरीत सरकार द्वारा साल भर में विधानसभा के सत्रों को कम दिन चलाने का विरोध करते हुए मानसून सत्र के काल को बढ़ाने की माँग करती है । उत्तराखंड विधानसभा की कार्य संचालन नियमावली के अनुसार साल में आहूत होने वाले विधानसभा के तीन सत्रों को मिलाकर कम से कम 60 दिन चलाना चाहिए। कुछ सालों से सरकार साल भर में कुल मिलाकर 15 दिन भी विधानसभा का सत्र नहीं चला रही है। गत सालों की भांति इस साल भी अभी तक विधानसभा के सत्र नाम मात्र के लिए चले हैं इन दिनों में शोक वाले दिन भी सम्मलित होते है ।विधानसभा के जिन कार्य दिवसों में शोक प्रस्ताव पर चर्चा होती है उस दिन अन्य कोई कार्य नहीं होता है। गत साल भी विधानसभा के सभी सत्र केवल 8 /10 दिनों चला था । सरकार हर बार बिजनेस न होने का हास्यास्पद तर्क देती है। जबकि राज्य में अभी भी उत्तर प्रदेश के सैकड़ों कानून चल रहे हैं सरकार में इच्छा शक्ति होती तो राज्य की परिस्थितियों के अनुसार विधानसभा में कानून बनाती। राज्य में यही विधायी कार्य तो हाउस का बिजनेस होता है ,राज्य के हजारों युवा उपनल सहित कई योजनाओं में सालों से अस्थायी सेवा कर रहे हैं। सरकार उनके लिए स्थायीकरण नीति जैसे कही विषयों को विधानसभा में लाकर विधानसभा में बिजनेस बड़ा सकती है।सरकार को राज्य और राज्य के निवासियों के हितों की कोई परवाह नहीं है। इस बार भी कांग्रेस सकारात्मक राजनीति करते हुए जनमुद्दों को उठाएगी। कांग्रेस राज्य में बढ़ती बेरोजगारी और महंगाई, चारधाम यात्रा व्यवस्था में सरकार की नाकामी , आपदा , चौपट कानून व्यवस्था और भ्रष्टाचार , लगातार बढ़ रही दुर्घटनाओं के कारण जन-धन की हानि, जैसे ज्वलंत मुद्दों के प्रति सरकार का ध्यान आकर्षित करना था ।लेकिन प्रभावी रूप से केवल दो दिन चलने वाले सत्र में इतने मुद्दों को उठाना संभव नही है। कार्यस्थगन के नियमों 310 और 58 के अर्न्तगत राज्य में अतिक्रमण के नाम पर सरकारी विभागों द्वारा तबाही करने आपदा पीड़ितों के मुआवजे और पुर्नवास,महंगाई एवं बेराजगारी , भू- कानून , कानून व्यवस्था , बिजली कटौती , जंगली जानवरों का आतंक , कलस्टर बना कर विद्यालयों को बंद करने आदि विषयों संबधित प्रश्नों का जवाब मिलना दो दिन में मिलना संभव नहीं है । इसलिए सरकार को सदन की अवधि बढ़ानी चाहिए। कांग्रेस सदन में मिल रहे हर सेकंड का सदुपयोग करते हुए प्रदेश के ज्वलंत मुद्दों पर सरकार को सदन में पुरजोर तरीके से घेर कर जबाबदेह बनाएगी।

चेयरमैन चुनाव के 36 वर्ष के इतिहास में वोटर बदलते रहे मूड

6 बार के चुनाव में 3 बार दलीय, निर्दलीय का रहा कब्जा

-हनीफ बाबा-

सितारगंज। नगर पालिका के अस्तिव में आने के बाद अब तक छह बार पालिका अध्यक्ष का चुनाव संपन्न हो चुका है। वर्ष 1988 में हुए पहले चुनाव को 36 वर्ष पूरे हो चुके है। पालिका अध्यक्ष चुनाव का 36 वर्ष का इतिहास देखा जाए तो नगरीय मतदाता राजनेतिक पार्टी को लेकर हर बार मूड बदलते रहे है। इस वजह से चेयरमैन प्रत्याशी तीन बार निर्दलीय, तीन बार दलीय बन सके है। जिसमें दो बार निर्दलीय अनवार अहमद, एक बार बहुजन समाज पार्टी से उनकी पत्नी परवीन बेगम, भाजपा से राकेश गुप्ता, कांग्रेस से कांता प्रसाद सागर, निर्दलीय हरीश दुबे सम्मिलित है। अब 25 अक्टूबर तक चुनाव होने का बिगुल बज चुका है। इस बार मतदाताओं का मूड क्या है, यह भविष्य के गर्त में है। नगर पालिका क्षेत्र का वर्तमान सीमांकन दो वर्ग किलोमीटर में है। नगरीय क्षेत्र में वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार आंकड़े तैयार किए है। जबकि वर्तमान में नगर के 13 वार्डों में करीब 34000 महिला, पुरुष और किन्नर मतदाता हैं। जो इस बार के नगर निकाय चुनाव में पसंदीदा प्रत्याशी को मतदान करेंगे। नगर निकाय चुनाव की बात की जाए तो इस चुनाव के इतिहास पर रोशनी डालना भी जरूरी है। ऐसा इसलिए कि नगर पालिका चुनाव के इतिहास से नगर के मतदाताओं का मूड जगजाहिर होता है। मतदाताओं ने 36 वर्ष के लंबे इतिहास में दलीय, निर्दलीय को बराबर मतदान कर चौकाने वाले आंकड़े दिए है। इससे साफ जाहिर होता है कि सितारगंज चेयरमैन सीट पर किसी राजनेतिक दल का एक छत्र राज कभी नहीं रहा है। वर्ष 1988 में नगर पालिका का प्रथम चुनाव हुआ था। जिसमें निर्दलीय प्रत्याशी अनवार अहमद, इसके बाद 1997 में फिर निर्दलीय अनवार अहमद, वर्ष 2002 में भाजपा के राकेश गुप्ता, 2008 में बसपा की परवीन बेगम, 2013 में कांग्रेस के कांता प्रसाद सागर, 2018 निर्दलीय हरीश दुबे के नाम चेयरमैन की सीट रही। छह चुनावों में वोटरों ने तीन बार राजनेतिक दलों से हटकर मतदान किया। जबकि तीन बार भाजपा, कांग्रेस और बसपा का जनाधार रहा। इससे साफ होता है कि नगरीय क्षेत्र के वोटर चेयरमैन चुनाव को लेकर मतदान के मामले में हर बार मूड बदलता रही है। वर्ष 2024 के चुनाव में जनता का रुझान किशोर है यह मतगणना के बाद ही साफ हो सकेगा। हालांकि चेयरमैन के चुनाव को लेकर नगरीय क्षेत्र में सर गर्मियां तेज हो गई हैं।

आधुनिक दौर में क्या नगर का विकास बदलेगा धारणा

सितारगंज। वर्तमान में सोशल मीडिया का आधुनिक दौर चल रहा है। जिसमें धरातल पर सुविधाओं को लेकर आमजन पहले से अधिक जागरूक है। जरूरतमंद योजनाओं का आमजन त्वरित लाभ चाहता है। इस कारण इस बार के चुनाव में मतदाता मतदान से पहले नगरीय क्षेत्र में किए गए विकास कार्यों को लेकर प्रत्याशी के पक्ष में क्या फैसला लेते हैं। नगरीय जनता क्षेत्रीय विकास, वर्तमान में लाभकारी योजना, सुविधा के नाम पर मतदान करेगी या फिर केवल प्रत्याशी के चेहरे पर यह तो भविष्य के गर्भ में है।

भीषण सड़क हादसे के बाद पोस्टमार्टम हाउस में लगा लोगों का जमावड़ा

नैनीताल हाईवे पर हुए भीषण सड़क हादसे के बाद क्षेत्र के कई जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने जताया दुख,परिजनों को ढांढस बंधाया

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। जिला चिकित्सालय के बाहर हादसे में चार लोगों की मौत के बाद तमाम लोगों ने पोस्टमार्टम हाउस पहुंचकर मृतकों के परिजनों को ढांढस बंधाया। निवर्तमान मेयर रामपाल सिंह और किसान मोर्चा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अनिल चौहान ने भी पोस्टमार्टम हाउस पहुंचकर परिवार जनों के साथ मौके पर पहुंचे वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मंजूनाथ टी सी,एसडीम मनीष बिष्ट सहित आला अधिकारियों से वार्ता कर हर संभव मदद देने की बात कही। किसान मोर्चा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अनिल चौहान के साथ पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे निवर्तमान मेयर रामपाल सिंह ने बताया कि यह एक दुखद समाचार है सड़क हादसे में कई लोगों की मृत्यु हो गई है। इस दुखद समय में परिवारजनों से मिल कर उन्हें ढांढस बंधाया इस दु:ख के समय वे अकेले नहीं है पूरा शहर उनके साथ खड़ा है। उन्होनें बताया कि देर रात गर्भवती महिला को दर्द उठा जिस पर जिला चिकित्सालय लाया गया जिला चिकित्सालय लाने के पश्चात वहां उपस्थित डॉक्टर ने बाद में आने की बात कही जिस पर एम्बुलेंस को बार-बार फोन करने पर भी वह नहीं पहुंचा जिस कारण गर्भवती महिला को टुकटुक में बिठाकर ले जाने लगे तभी तेज रफ्तार से आ रही कार ने टुकटुक को जोरदार टक्कर मार दी। जिसमें टुकटुक के परकच्चे उड़ गए जोरदार टक्कर के कारण गर्भवती महिला सहित तीन लोगों ने मौके पर ही तड़पकर दम तोड़ दिया और दो लोग गंभीर रूप से घायल हैं। रामपाल सिंह ने कहा कि यह घटना बेहद दुखद है। वही समाजसेवी संजय ठुकराल ने भी पोस्टमार्टम हाउस में परिजनों को ढांढस बंधाया।

विवादित बयान से नाराज मुस्लिम समाज ने गाबा का पुतला फूंका

गदरपुर(उद संवाददाता)। तस्लीम जहां नर्स हत्याकांड में विवादित बयान को लेकर कांग्रेस के जिला अध्यक्ष हिमांशु गाबा के खिलाफ मुस्लिम समाज में रोष है। गदरपुर के आक्रोशित मुस्लिम समाज के लोगों ने हिमांशु गाबा का पुतला फूंका और कहा कि हिमांशु गाबा को पीड़ित परिवार से माफी मांगनी चाहिए।

मंगलवार की देर शाम वार्ड नंबर 11 में मोहम्मद अशरफ के नेतृत्व में लोगों ने जोरदार नारेबाजी के बीच रुद्रपुर कांग्रेस के जिला अध्यक्ष हिमांशु गाबा का पुतला जलाकर अपना रोष जाहिर किया। उनका कहना था कि गाबा के बयानों से नर्स के परिवार को गहरा दुख पहुंचा है इसके लिए हिमांशु गाबा को खुद पीड़ित परिवार से मिलते हुए अपने दिए बयानों पर माफी मांगनी चाहिए। इस दौरान मोहम्मद अनस,जाकिर हुसैन, करीमुल्ला, नबी सलमानी आदि लोग मौजूद रहे।

मकान का सौदा कर साठ लाख हड़पने का आरोपी किया गिरफ्तार

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। मकान का सौदा कर 60 लाख रुपए हड़पने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक आवास विकास रामपुर यूप निवासी और हाल सुखसागर कालोनी बगवाड़ा निवासी सौरभ सैनी के मुताबिक उसके पिता प्रेम चंद सैनी ने शास्त्री नगर गंगापुर रोड निवासी ओम प्रकाश राजपूत पुत्र नंद राम राजपूत से 167.28 वर्गमीटर, जिस पर दो मंजिला मकान था। 60 लाख रुपये में 18 दिसंबर 2021 सौदा तय किया था। सौदा तय करने के बाद ओमप्रकाश को निर्धारित समय में पूरी 60 लाख रुपए पेमेंट कर दिया था। ओमप्रकाश राजपूत आरोप है कि पूरी पेमेंट होने के बावजूद न तो मकान की रजिस्ट्री की और ना ही रुपए वापस किए। उसके पिता तथा ताऊ उमेश चंद तथा उनके बेटे हिमांशु को साथ

लेकर सात जुलाई 2024 को ओम प्रकाश राजपूत के घर गये। मकान की रजिस्ट्री कराने के लिए कहा। आरोप है कि यह सुनते ही ओम प्रकाश राजपूत आक्रोश में आकर उसके पिता प्रेम चंद सैनी, ताऊ और उनके पुत्र के साथ गाली गलौज की। बाद में धक्के मारकर भगा दिया। उसके पिता की तबियत बिगड़ गई थी, काफी इलाज कराया था, उसके पिता की मृत्यु हो गई। सौरभ ने पिता की मौत के लिए ओमप्रकाश राजपूत को जिम्मेदार ठहराते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की। प्रभारी निरीक्षक भारत सिंह ने बताया कि मृतक के पुत्र की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया और आरोपी ओमप्रकाश राजपूत को गिरफ्तार कर उसे जेल भेज दिया। पुलिस विवेचना कर रही है। मृतक के पुत्र से 60 लाख रुपए का भुगतान किस तरह किया, इसकी डिटेल मांगी गई है।

पूर्व सैनिकों व उनके आश्रितों के लिए स्पर्श मेला 23 को

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। पूर्व सैनिकों तथा उनके आश्रितों के लिए जनपद के आरटीसी हेमपुर में स्पर्श मेले का आयोजन किया जा रहा है। यह जानकारी देते हुए जिला सैनिक कल्याण एवं पुर्नवास अधिकारी कर्नल चंद्र बहादुर पुन (से.नि.) ने बताया कि उक्त मेंले में केआरसी रानीखेत, बीईजी रूड़की एवं गढवाल अभिलेख कार्यालयों द्वारा प्रतिभाग किया जा रहा है। स्पर्श मेंले में पूर्व सैनिकों आश्रितों की पेंशन, फेमिली पेंशन, जीवित प्रमाण, ईसीएचएस, पेन्यूरी ग्रांट, अभिलेखों की विभिन्न आर्थिक सहायता तथा पेंडिंग केस अभिलेख से संबंधित सभी समस्याओं का निराकरण किया जायेगा। उन्होंने बताया कि उक्त मेंले में कर्नल विनोद कुमार, (एस एम) वेटरंस, एक जेसीओ, पांच सिविल क्लर्क तथा चार सेवारत सैनिक आ रहे हैं।

तसलीम जहाँ हत्याकाण्ड की हो सीबीआई जांच : मौलाना रिजवी

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। उत्तराखण्ड राज्य हज समिति व मदरसा शिक्षा परिषद के पूर्व अध्यक्ष मौलाना जाहिद रजा रिजवी ने प्रेस को जारी एक बयान में कहा है कि रुद्रपुर के एक निजी अस्पताल में काम करने वाली नर्स के साथ जिस तरह से बलात्कार की घटना को बेरहमी के साथ अंजाम दिया गया और हत्या कर शव को झाड़ियों में फेंका गया वो कोलकाता की घटना से भी ज्यादा भयानक और शर्मनाक है। मौलाना ने बताया कि तस्लीम जहाँ गदरपुर की रहने वाले थीं, जो यहां फुटेला अस्पताल में कार्यरत थीं। वह अपनी 9 साल की बेटी की शिक्षा तथा पालन पोषण के लिए रुद्रपुर के वसुंधरा अपार्टमेंट में किराए के मकान में रह रही थी। लगभग एक महीने पहले शाम 7 बजे के आसपास वह अपनी ड्यूटी करने के बाद अस्पताल से घर के लिए निकली और गायब हो गई। करीब 15 दिन बाद उसके शव को यूपी के डिबडिबा क्षेत्र की झाड़ी में बरामद किया गया। पुलिस जांच के बाद, यह निष्कर्ष निकाला गया कि उनके साथ न केवल बलात्कार किया गया बल्कि दर्दनाक तरीके से हत्या कर उसके शरीर के कुछ हिस्सों को गंभीर रूप से काटा गया और शरीर पर केमिकल भी डाला गया। कोलकाता में महिला डाक्टर के साथ हुई दरिन्दगी भी बेहद शर्मनाक और दुखद है परन्तु रूद्रपुर में तसलीम जहां के साथ हुई ये हैवानियत कोलकाता की घटना से ज्यादा खातरनाक और अफसोसनाक नजर आ रही है। लेकिन अफसोस की बात ये है कि न तो राष्ट्रीय मीडिया इसे उजागर कर रहा है और न ही राजनीतिक दलों की ओर से कोई उचित प्रतिक्रिया सामने आइ है। इस पर सितम ये कि ऊधमसिंह नगर के जिला कांग्रेस अध्यक्ष ने अस्पताल के मालिक के समर्थन में बयान जारी कर युवती की भूमिका को संदिग्ध बताने की कोशिशा की, जो अति-निंदनीय है। मौलाना ने मीडिया और राजनीतिक दलों की चुप्पी पर सवाल उठाया है कि उनकी ये उदासीनता और चुप्पी आखिर क्यों है? क्या इसलिये कि वो लड़की एक गरीब परिवार की मुस्लिम बच्ची थी? यही दोहरा मापदंड अल्पसंख्यकों को इस देश में मायूस और भेदभावपूर्ण महसूस कराता है। स्थानीय स्तर पर छोटे-मोटे विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं, जनता के दबाव के चलते पुलिस प्रशासन ने एक निर्बल नशेडी व्यक्ति को आरोपी मानते हुए जेल भेज दिया है, जो संतोषजनक नहीं है। मौलाना रिजवी ने उत्तराखंड सरकार खासकर केंद्र सरकार से मांग की है कि इस मामले में सीबीआई जांच कराकर असली दोषियों को गिरफ्तार कर उन्हें सख्त से सख्त सजा दी जाए।

गांव में गाय चराने गई नाबालिग के साथ दुष्कर्म

गरुड़(उद संवाददाता)। तहसील के एक गांव में एक नाबालिग के साथ दुष्कर्म का मामला प्रकाश में आया है। नाबालिग को मेडिकल परीक्षण के लिए जिला चिकित्सालय भेजा गया है। इस घटना से क्षेत्र में हड़कंप मचा हुआ है। पुलिस व प्रशासन मामले की जांच में जुट गया है। राजस्व पुलिस क्षेत्र के एक गांव की नाबालिग रक्षाबंधन के दिन सुबह गाय चराने जंगल गई थी। वहीं उसका ताऊ भी गाय चराने गया था। मौका पाकर उसने नाबालिग से जबर्दस्ती दुष्कर्म किया। नाबालिग रोते हुए घर आई और उसने सारी आपबीती अपनी मां को बताई। वर्षा अधिक होने के कारण मां उसे अस्पताल नहीं ला पाई और न ही राजस्व पुलिस को सूचना दी। मंगलवार को नाबालिग को लेकर उसकी मां सीएचसी बैजनाथ पहुंची और उसने पुलिस व तहसील प्रशासन को भी इसकी जानकारी दी। बैजनाथ अस्पताल में डॉ हेमा ने नाबालिग की प्रारंभिक जांच की और मेडिकल के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। सूचना मिलते ही तहसीलदार निशा रानी, राजस्व उप निरीक्षक कुंदन सिंह मेहता, बैजनाथ थाने की उप निरीक्षक विनीता बिष्ट भी अस्पताल पहुंच गए। उन्होंने बताया कि मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नहीं रहे महायोगी संन्यासी पायलट बाबा

मुंबई में हुआ निधनःजूना अखाड़े के महामंडलेश्वर पायलट बाबा की अंतिम इच्छा के अनुसार हरिद्वार में दी जाएगी समाधि, अखाड़े में तीन दिन का शोक

देहरादून/नैनीताल/हरिद्वार(उद संवाददाता)। जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर पायलट बाबा का मंगलवार को मुंबई के एक अस्पताल में निधन हो गया। उनकी मौत की खबर से पूरे संत समाज में शोक की लहर है। उत्तराखंड सहित देश के विभन्न राज्यों के उनके हजारों अनुयायियों ने उनके समाधिलीन होने पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उनके अनुयायियो ने पूज्य संत पायलट बाबा के निधन पर भावभनी श्रद्धार्जलि अर्पित करते हुए उनकी आत्म की शांति के ईश्वर से प्रार्थना की है। पायलट बाबा का नैनीताल से 15 किमी दूर गेठिया में भव्य आश्रम भी स्थापित है। यह आश्रम देश विदेश के पर्यटकों और आध्यात्मिक शाति के केंद्र के रूप में पूरे उत्तराखंड में अपनी विशिष्ट पहचान बना है। जूना अखाड़े के अंतरराष्ट्रीय संरक्षक श्रीमहंत हरी गिरी महाराज के निर्देश पर जूना अखाड़े की पूरे प्रदेश में स्थित सभी शाखाओं, आश्रमों और मुख्य पीठों पर शोक सभा व शांति पाठ का आयोजन किया जा रहा है। जूना अखाड़े ने तीन दिन का शोक घोषित किया गया है। इन तीन दिनों में पायलट बाबा की आत्मा की शांति के लिए शांति पाठ हवन तथा विशेष पूजा अर्चना की जाएगी। श्रीमहंत हरि गिरी महाराज ने कहा कि पायलट बाबा एक सच्चे योगी व देश सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहते थे। वह 1974 में विधिवत दीक्षा लेकर जूना अखाड़े में शामिल हुए और अपनी संन्यास यात्रा शुरू की। उन्होंने कहा पायलट बाबा जूना अखाड़े के विभिन्न पदों पर रहते हुए अखाड़े की उन्नति प्रगति विकास के लिए हमेशा कार्यरत रहे। 1998 में महामंडलेश्वर पद पर आसीन होने के बाद उन्हें 2010 में उज्जैन में प्राचीन जूना अखाड़ा शिवगिरी आश्रम नीलकंठ मंदिर में पीठाधीश्वर पद पर अभिषिक्त किया गया। श्री महंत हरि गिरी महाराज ने कहा कि पायलट बाबा की अंतिम इच्छा के अनुसार उन्हें उत्तराखंड की पावन भूमि में समाधि दी जाएगी। जूना अखाड़े के समस्त पदाधिकारी और वरिष्ठ संत, महामंडलेश्वर उनको समाधि देने के लिए पहुंचेंगे। हरिद्वार अखाड़े में पायलट बाबा के ब्रह्मलीन होने पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। पायलट बाबा का जन्म बिहार के रोहतास जिले के सासाराम में एक राजपूत परिवार में हुआ था। इनका पुराना नाम कपिल सिंह था। बाबा काशी हिन्दू विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा प्राप्त की। इसके बाद उनका भारतीय वायु सेना में चयन हुआ। बाबा यहां विंग कमांडर के पद पर थे। बाबा 1962, 1965 और 1971 की लड़ाइयों में सेवा दे चुके हैं। इसके लिए उन्हें सम्मानित भी किया गया। बाबा बताते हैं कि, सन 1996 में जब वे मिग विमान भारत के पूर्वोत्तर में उड़ा रहे थे तब उनके साथ एक हादसा हुआ था। उनका विमान से नियंत्रण खो गया। उसी दौरान बाबा को उनके गुरु हरि गिरी महाराज का दर्शन प्राप्त हुए और वे उन्हें वहां से सुरक्षित निकाल लिए। यही वो क्षण था जब बाबा को वैराग्य प्राप्त हुआ और वे सेना की लड़ाई से दूर शांति और अध्यात्म की तरफ प्रवृत्त हो गए। संन्यास लेने से पहले बाबा कुछ दिन तक बॉलीवुड से भी जुड़े रहे, उन्होंने एक फूल दो माली में अभिनय भी किया। वे बॉलीवुड की कई नामचीन हस्तियों के साथ काम कर चुके हैं। बॉलीवुड की जानी-मानी अभीनेत्री मनीषा कोइराला के आध्यात्मिक गुरु बाबाजी ही हैं। पायलट बाबा का विवादों ने नाता नहीं टूटा। पहले देश की रक्षा के लिए युद्ध और बाद में अपनी और अपने संपत्ति की सुरक्षा के लिए उनका युद्ध चलता रहा। यही नहीं अलग तरह के विवाद भी उनके पीछे पड़े रहे। वर्ष 2010 के कुंभ में पायलट बाबा के वाहन से हादसा हुआ। इस कुंभ का आखिरी शाही स्नान 14 अप्रैल को था इसी बीच बाबा काफिला लेकर रवाना हुए वह जैसे ही अपने रुतबे और काफिले के साथ निकले तो वाहनों की चपेट में दर्जनों लोग आ गए। इसमें कई की जान गई वहीं कई घायल हो गए। कुछ लोग बचने के लिए नदी में कूदे तो उनका पता नहीं चला। इस मामले में पुलिस ने बाबा के खिलाफ मुकदमा तो दर्ज किया लेकिनए तत्कालीन सरकार के बेहद करीबी होने के कारण मामला केवल फाइलों में चलता रह गया। इसी तरह बाबा का एक कार्यक्रम हाथरस में हुआ जहां पर बाबा की चरणरज लेने के लिए भगदड़ मच गई। वहीं, इनके खिलाफ नैनीताल से लेकर कई जगहों पर मुकदमे केवल जमीन कब्जा करने के भी चले। यही नहीं स्टिंग ऑपरेशन भी बाबा के खिलाफ हुआ, हालांकि काले धन को सफेद करने के इस मामले में कोई खास कार्रवाई नहीं हुई। यही नहीं पायलट बाबा को नैनीताल में एक जमीन के मामले में उपजिलाधिकारी कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने 4 अप्रैल 2019 को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। पायलट बाबा का नैनीताल से 15 किमी दूर गेठिया में बड़ा व भव्य आश्रम है। वहीं उत्तरकाशी जिला मुख्यालय से 25 किमी दूर गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर कुमाल्टा गांव के निकट गंगा-भगीरथी के तट पर बने आश्रम के लिए पायलट बाबा ने न सिर्फ 16 नाली (0.324 हेक्टेयर) से अधिक सरकारी जमीन पर कब्जा जमाया, बल्कि सीमा के संवेदनशील क्षेत्र में उन्होंने निजी हैलीपैड भी बना डाला। कुछ अनुयायी उनका गुणगान इस तरह भी करते हैं कि आश्रम में आने वाले विदेशियों का ब्यौरा भी बाबा स्थानीय पुलिस को नहीं देते थे। देश की आंतरिक सुरक्षा के नियमों में जबकि यह है कि विदेश से आने वाले किसी भी व्यक्ति की जानकारी 24 घंटे के अंदर स्थानीय पुलिस को देनी होती है।

विमान कैश होने के बाद बने थे सन्यासी, कॉकपिट में प्रकट हुए थे गुरु हरि बाबा

सच्चे देशभक्त थे पायलट बाबाः भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर के रूप में 1962, 1965,1971 के युद्ध में लड़ी जंग,जापान व नेपाल समेत भारत में प्रमुख रूप से सासाराम, हरिद्वार, नैनीताल व उत्तरकाशी में है बाबा का आश्रम, पायलट बाबा ने सासाराम में कराया था पूर्वोत्तर ज्योतिलिंग सोमनाथ मंदिर का भव्य निर्माण

देहरादून। जूना अखाड़ा के महामंडलेश्वर पायलट बाबा का निधन हो गया। पालयलट बाबा का निधन मुंबई की कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में उपचार के दौरान हुआ। वह 86 वर्ष के थे और लंबे समय से बीमार चल रहे थे। पायलट बाबा का वास्तविक नाम कपिल सिंह है। उनका जन्म रोहतास जिले की नोखा प्रखंड स्थित बिशुनपुरा गांव में 15 जुलाई 1938 में हुआ था। बताया जाता है कि उन्होंने बीएचयू से एमएससी की शिक्षा पूरी कर 1957 में भारतीय वायु सेना में लड़ाकू पायलट के रूप में अपना करियर शुरू किया। साल 1962 में भारत-चीन युद्ध व 1965 व 1971 में भारत-पाकिस्तान युद्ध में भी वे शामिल थे। कहा जाता है कि विमान उड़ाने के समय उनका रेडियो संपर्क टूट गया था। तब उनके अध्यात्मिक गुरु हरि बाबा उनके कॉकपिट में प्रकट हुए थे। उनके निर्देश पर उन्होंने विमान को सुरक्षित उतारा। उस घटना के बाद पायलट बाबा ने 33 वर्ष की उम्र में वायुसेना से रिटायरमेंट ले लिया था। इसके बाद वे पायलट बाबा के नाम से मशहूर हुए। अपने अध्यात्म के दौरान वह देश व विदेशों में 100 से भी अधिक बार समाधि ले चुके हैं। पायलट बाबा के अनुयायियों द्वारा विदेशों में भी आश्रम स्थापित किया गया है। भारत में प्रमुख रूप से सासाराम, हरिद्वार, नैनीताल व उत्तरकाशी में बाबा का आश्रम है। वहीं जापान व नेपाल में भी आश्रम स्थापित है। पायलट बाबा ने सासाराम में गुजरात की सोमनाथ मंदिर की तर्ज पर पूर्वोत्तर ज्योतिलिंग सोमनाथ मंदिर का निर्माण कराया था। मंदिर का उद्घाटन सात नवंबर 2022 को किया गया था। जिसमें देश के 13 अखाड़ों के महामंडलेश्वर समेत राजनीतिक पार्टी से जुड़े नेताओं का जमावड़ा लगा था। साथ ही पायलट बाबा के देश समेत विदेशों से भी आए अनुयायी उद्घाटन समारोह में शामिल हुए थे। मंदिर में 111 फीट ऊंची भगवान शिव व बुद्ध की 84 फीट ऊंची प्रतिमा स्थापित है। निधन की खबर पर जेडीयू के प्रदेश महासचिव ओमप्रकाश सिंह सेतु ने कहा कि पायलट बाबा अब हम लोगों के बीच में नहीं रहे। उन्होंने रोहतास जिले से निकलकर देश ही नहीं विदेशों में भी अपनी पहचान बनाई है। जूना अखाड़े के अंतरराष्ट्रीय संरक्षक श्री महंत हरी गिरी महाराज के निर्देश पर जूना अखाड़े की पूरे प्रदेश में स्थित सभी शाखाओं, आश्रमों और मुख्य पीठों पर शोक सभा व शांति पाठ का आयोजन किया जा रहा है। जूना अखाड़े द्वारा तीन दिन का शोक घोषित किया गया है। इन तीन दिनों में पायलट बाबा की आत्मा की शांति के लिए शांति पाठ हवन तथा विशेष पूजा-अर्चना की जाएगी ।श्री महंत हरी गिरी महाराज ने उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि पायलट बाबा एक सच्चे योगी व समाज की देश की सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहते थे। वह 1974 में विधिवत दीक्षा लेकर जूना अखाड़े में शामिल हुए और अपनी संन्यास यात्रा प्रारंभ की। संन्यासी बनने से पूर्व पायलट बाबा भारतीय वायुसेना में पायलट के रूप में कार्यरत थे 1998 में महामंडलेश्वर पद पर आसीन होने के बाद उन्हें 2010 में उज्जैन में प्राचीन जूना अखाड़ा शिवगिरी आश्रम नीलकंठ मंदिर में जूना अखाड़े के पीठाधीश्वर पद पर अभिषिक्त किया गया। जूना अखाड़े के समस्त पदाधिकारी और वरिष्ठ संत,महामंडलेश्वर उनको समाधि देने के लिए पहुंचेंगे। जूना अखाड़ा हरिद्वार में पायलट बाबा के ब्रह्मलीन होने पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया जिसमें राष्ट्रीय सचिव श्री महंत महेश पुरी सचिव श्रीमान शैलेंद्र गिरी श्रीमहंत पूर्ण गिरि, श्रीमहंत सुरेशानंद सरस्वती ,कोठारी महंत महाकाल गिरि ,महंत रतन गिरी, महंत हीरा भारती ,महंत गौतम गिरि, महंत आकाश पूरी ,महंत धीरेंद्र पुरी आदि ने उनको श्रद्धांजलि दी तथा भैरव अखाड़ा घाट पर मां गंगा में श्रद्धा सुमन अर्पित कर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

तहसील दिवस में उठी समस्याओं का करें त्वरित निस्तारण: डीएम

नानकमत्ता(उद संवाददाता)। तहसील दिवस में उठी समस्याओं को अधिकारी गंभीरता से लेते हुए त्वरित निस्तारित करना सुनिश्चित करें, यह निर्देश जिलाधिकारी उदयराज सिंह ने मंगलवार को गुरुनानक देव महाविद्यालय में आयोजित तहसील दिवस में दिये। उन्होने कहा कि जनता की समस्याओं का त्वरित निस्तारण सरकार की प्राथमिकता है और मा0 मुख्यमंत्री भी जन समस्याओं का समीक्षा करते हैं, इसलिए तहसील दिवस में पंजीकृत समस्याओं को समय से निस्तारण करते हुये सीएम जन समर्पण पोर्टल पर भी अपलोड करना सुनिश्चित करें। तहसील दिवस में विभिन्न प्रमाण पत्र, सड़क, बिजली, पानी, जल भराव, राशन कार्ड, आवास, पेंशन आदि से सम्बन्धित 47 शिकायतें पंजीकृत हुई जिसमे से 23 समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया गया। जिलाधिकारी श्री सिंह ने कहा कि आमजन की समस्याओं का निस्तारण सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि तहसील दिवस में उठी जन समस्याओं का व्यक्तिगत रुचि लेकर समाधान करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जो भी छोटी-छोटी समस्याएं आ रही है उन्हे अपने स्तर पर ही समाधान करें ताकि जनता को अनाश्यक कार्यालयों के चक्कर न लगाना पड़े। उन्होने कहा कि तहसील दिवस में मौके पर जिन समस्याओं का निस्तारण संभव नहीं हो पाया है, उन समस्याओं को सम्बन्धित विभागों को हस्तगत किया जा रहा हैं, उन सभी समस्याओं का समबद्धता एवं प्राथमिकता से सम्बन्धित अधिकारी निस्तारण करना सुनिश्चित करें। तहसील दिवस में ज्ञानपुर गौढ़ी निवासी जय प्रकाश दास ने उनका गत दिनों बाढ़ जल भराव होने से हुए नुकसान की सहायता राशि दिलाने का अनुरोध किया जिस पर जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी को सर्वे कराकर तुरन्त सहायता राशि दिलाने के निर्देश दिये। ग्राम विडौरा निवासी सीमा राणा ने अपने घर तक कच्चा होने व जल भराव होने की समस्या बताते हुए मुख्य सड़क से घर तक 100 मीटर सीसी मार्ग के साथ ही घर के पास बगीचा होने के कारण जानवरो का भय बना रहता है इसलिए सौर उर्जा लाईट लगाने का अनुरोध किया, जिस पर जिलाधिकारी ने खण्ड विकास अधिकारी को प्रस्ताव बनाने के निर्देश दिये। अजायब सिंह ने स्थाई निवास प्रमाण पत्र बनाने का अनुरोध किया जिस पर जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी को शीघ्र प्रमाण पत्र निर्गत करने के निर्देश दिये। नगर पंचायत नानकमत्ता वार्ड नं0-1 निवासी लक्ष्मी दत्त जोशी ने खराब बिजली का मीटर बदलवाने व बिजली के बिल में सुधार हेतु शिविर लगाने का अनुरोध किया जिस पर जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता विद्युत को तुरन्त खराब मीटर बदलने तथा विद्युत समस्याओं हेतु शिविर लगाने के निर्देश दिये। ग्राम प्रधान बिडौरा भाष्कर सम्मल ने मनरेगा के अन्तर्गत नाला सफाई, खुदान के साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण की पंजीयन हेतु साईड खुलवाने, नये अन्नत्योदय एवं खाद्य सुरक्षा कार्ड बनवाने, जल जीवन मिशन के कार्य पूर्ण करवाने एवं ग्राम प्रधानों की जल जीवन मिशन सम्बन्धी बैठक करवाने तथा तहसील नानकमत्ता में श्रम विभाग द्वारा सप्ताह में एक दिन शिविर लगाने का अनुरोध किया जिस पर जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों को कार्य कराने के निर्देश दिये। ग्राम प्रधान देवीपुरा पार्वती देवी ने जूनियर हाई स्कूल एचता विही में विज्ञान एवं गणित के अध्यापकों की तैनाती का अनुरोध किया जिस पर जिलाधिकारी ने मुख्य शिक्षा अधिकारी को अध्यापकों की तैनाती कराने के निर्देश दिये। ग्राम टुकड़ी निवासी निशा जोशी ने इडब्लूएस गलत प्रमाण पत्र को निरस्त करने व नया इडब्लूएस प्रमाण पत्र बनाने का अनुरोध किया जिस पर जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी को इडब्लूएस प्रमाण पत्र निरस्त करने के निर्देश दिये। ग्राम सिद्धा नवदिया गुरमीत सिंह ने मेन चौराहा चक्की के पास, पाठक जी के घर के पास व ग्राम बलखेड़ा निवासी राजकुमार ने गुरूद्वारा आमखेड़ व रिशपाल के घर के पास खराब इण्डिया मार्का हैण्पम्प को रिबोर कराने के अनुरोध किया जिस पर जिलाधिकारी ने एडीओ पंचायत व अधिशासी अभियंता जल निगम को कार्यवाही करने के निर्देश दिये। तहसील दिवस में मुख्य विकास अधिकारी मनीष कुमार, पूर्व विधायक डॉ0 प्रेम सिंह राणा, उपाध्यक्ष किसान आयोग राजपाल सिंह, उप जिलाधिकारी रविन्द्र जुवॉठा, तहसीलदार पूजा शर्मा, महाप्रबन्धक उद्योग विपिन कुमार, अधिशासी अभियंता आनंद सिंह नेगी, लघु सिंचाई सुशील कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी अमन अनिरुद्ध, मुख्य उद्यान अधिकारी प्रभाकर सिंह, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ0 एसबी पाण्डे, एसीएमओ डॉ0 राजेश आर्य, जिला युवा कल्याण अधिकारी बीएस रावत, जिला शिक्षा अधिकारी हरेन्द्र मिश्रा, एलडीएम एसएस जंगपांगी सहित विभिन्न विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

आदेशों का अनुपालन नहीं करने पर प्रभारी प्रधनाध्यापक निलंबित

रूद्रपुर (उद संवाददाता)।सितारगंज में जर्जर भवन को लेकर उच्चधिकारियों की ओर से जारी आदेशों को गंभीरता से नहीं लेने के कारण स्कूल में तीन साल के बालक को करंट लग गया। इस पर डीईओ (बेसिक) हरेंद्र कुमार मिश्रा ने प्रभारी

प्रधानाध्यापक रामरूप सिंह राणा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। 17 अगस्त को राजकीय प्राथमिक विद्यालय खेमपुर के जर्जर भवन में जाने से आंगनबाड़ी के तीन वर्षीय छात्र को करंट लग गया। बीईओ भानु प्रताप कुशवाहा की जांच रिपोर्ट के बाद डीईओ बेसिक हरेंद्र कुमार मिश्रा ने बिना देरी किए अगले ही दिन प्रभारी प्रधानाध्यापक के निलंबन के आदेश जारी कर दिए। जांच में पाया गया कि विद्यालय में पीछे की तरफ एक जर्जर कक्ष है, जिसके खिड़की-दरवाजे टूटे पड़े हैं। जर्जर कक्ष में बिजली के खुले तार भी जमीन पर गिरे थे। इसकी चपेट में आने से दुर्घटना हुई है। शिक्षा महानिदेशक ने विद्यालय परिसर के जर्जर भवनों में बच्चों के प्रवेश को वर्जित करने के साथ बिजली के तारों को दुरुस्त रखने के आदेश जारी किए थे लेकिन प्रभारी प्रधानाध्यापक ने उनके आदेशों को गंभीरता से नहीं लिया। उन्होंने जर्जर भवन में न ही बच्चों के प्रवेश वर्जित किया और न ही बिजली के तारों को दुरुस्त कराया। इस कारण विद्यालय में यह अप्रिय घटना घटित हुई।

रेप और हत्या के खिलाफ मजदूर संगठनों ने निकाला जुलूस

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। पश्चिम बंगाल के आरजी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की महिला डॉक्टर एवं रुद्रपुर के निजी अस्पताल की नर्स के साथ बलात्कार व हत्या एवं देश में बढ़ रही महिला हिंसा के खिलाफ विभिन्न मजदूर संगठन, ट्रेड यूनियनों, व समाजिक संगठनों द्वारा गत सायं गांधी पार्क में एक श्रद्धांजलि सभा की व भगतसिंह चौक तक मार्च निकाला। जिसमे मृतका नर्स तस्लीम की बच्ची सबसे आगे चल रही थी। जिसको देखकर सबकी आँखें नम हो गई। सभा में वक्ताओं ने देश में महिलाओं के साथ बढ़ रही यौन हिंसा पर चिंता जताते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में महिला डाक्टर के साथ बलात्कार हत्या करने के पश्चात रुद्रपुर में नर्स के साथ दुष्कर्म कर हत्या की जाती है और नर्स की लाश काफी दिन बाद मिलती है। जब परिजन व जनता न्याय की मांग करते हैं तब जिम्मेदार पुलिस अधिकारी अंसुतलित बयान देते हैं। काफी विरोध के बाद भी प्रदेश भाजपा सरकार के मुखिया व मंत्री मौन व्रत धारण कर लेते हैं। धामी सरकार का यह व्यवहार चिंता जनक है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार एक तरफ बेटी बचाओ - बेटी पढ़ाओ का नारा देती है और दूसरी तरफ अभी तक एक भी बेटी को न्याय नहीं दे पाई।जबकि पश्चिम बंगाल सरकार ने महिला डाक्टर के साथ दुष्कर्म व हत्या की सीबीआई जांच की संस्तुति की। इससे सरकार के प्रति संदेह पैदा होता है। सभा में एक स्वर में सुप्रीम कोर्ट से अपील की गई कि पश्चिम बंगाल की तरह रुद्रपुर की घटना को भी स्वतः संज्ञान लेकर घटना की सीबीआई जांच करा कर उसकी निगरानी करने की कृपा करें। सभा पश्चात गांधी पार्क से भगतसिंह चौक होते हुए वापस गांधी पार्क तक मार्च निकाला गया। इस मौके पर कैलाश भट्ट, ललित कुमार, सुब्रत विश्वास, शिवदेव सिंह, विजय सिंह, वंदना , रविन्द्र कौर, सुनीता, किरन पांडे विश्वास, अंकिता अधिकारी, देवी, इन्दर कौर,अर्चना देवी, पिंकी,सौरभ कुमार,दिनेश कुमार, सोनू कुमार, विक्की, मुनाजिर अली, आकाश, प्रमोद, इंकलाबी मजदूर केन्द्र, डालफिन मजदूर संगठन,क्रांतिकारी लोक अधिकार संगठन,सीएनजी टैम्पो यूनियन, प्रगतिशील महिला एकता केन्द्र, इन्टरार्क मजदूर संगठन पंतनगर,आम आदमी पार्टी ,छात्र संघ के साथ आम जन शामिल रहे।

जयंती पर स्व.राजीव गांधी को याद किया

गदरपुर/हल्द्वानी(उद संवाददाता)। भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की 80 वीं जयंती के अवसर पर कांग्रेसी कार्यकर्ताओं के द्वारा उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें याद किया गया।मंगलवार को वरिष्ठ कांग्रेसी नेता राजेंद्र पाल सिंह के नेतृत्व में दर्जनों कांग्रेसी कार्यकर्ता हजारीलाल पेट्रोल पंप पर एकत्र हुए यहां उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी की 80 बी जयंती पर उनको श्रद्धा सुमन अर्पित किये तथा उनको याद किया गया इस अवसर पर कांग्रेसी नेता राजेंद्र पाल सिंह राजू ने उनको याद करते हुए कहा कि उनके द्वारा त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था संचार नीतिै बैज आरक्षण लागू किया गया जिसके कारण आज उनका उनका हक मिल रहा है। उनका कहना था कि स्वर्गीय राजीव गांधी के द्वारा दिए गए देश हित में बलिदान को कभी बुलाया नहीं जा सकता। इस अवसर पर कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष शैलेंद्र शर्मा, प्रधान संघ के अध्यक्ष गुरविंदर विर्क, राजेश बाबा, संजीव अरोड़ा, हरविंदर बत्रा, शिवम पपनेजा, अनिल छाबड़ा, राजू डुमरा, विजय गुंबर, हरि किशोर सैनी, वंश शर्मा, विन्द्र चीमा, साहिल गुंबर, तारक मालाकार, राकेश कुमार, राजेश बाबा, हैप्पी विर्क सहित तमाम कार्यकर्ता उपस्थित थे। **हल्द्वानी-** पूर्व प्रधानमंत्री ष्भारत रत्नष स्व. राजीव गांधी की जयंती को कांग्रेस ने ष्सद्भावना दिवसष के रूप में मनाया। जिला महानगर कांग्रेस कमेटी द्वारा स्व राजीव गांधी की 80 वीं जयंती हर्षोल्लास संग सद्भावना दिवस के रूप में स्वराज आश्रम में एक दूसरे का मुंह मीठा करके मनायी। इस मौके पर स्व. राजीव गांधी जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने के उपरांत कांग्रेसजनों ने राजीव जी को याद किया।महानगर अध्यक्ष एडवोकेट गोविंद सिंह बिष्ट ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी के नेतृत्व ने देश को विकास और आधुनिकता की नई दिशा और गति प्रदान की।आधुनिक भारत के निर्माण में राजीव की नीतियों और उनकी दूरदर्शिता ने अतुल्य योगदान दिया। ग्रामीण विकास, पंचायती राज, दूरसंचार और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्रों में उनका अमूल्य योगदान सदैव स्मरण किया जाएगा। इस दौरान शोभा बिष्ट, रत्ना श्रीवास्तव, भागीरथी बिष्ट, राधा आर्य, शशि वर्मा, शाइस्ता, सतीश नैनवाल, मलय बिष्ट, गोविंद बगडवाल, सुहैल सिद्दीकी, सौरभ भट्ट, योगेश जोशी, जाकिर हुसैन, महेशानंद, हेमन्त बगडवाल, कौशलेंद्र भट्ट, राजेन्द्र सिंह बिष्ट, ज्ञान सिंह थापा, नवीन सांगूड़ी, गिरीश पांडे, सी.एम. पांडे, राजेन्द्र उपाध्याय, प्रेम चौधरी, मनोज सिंह बिष्ट, नेत्र बल्लभ जोशी, त्रिलोक बनोली, अमित रावत, प्रदीप बिष्ट, मनोज श्रीवास्तव, संजू उप्रेती, हबीबुर्रहमान, अरशद अली, चंदन भाकुनी, बबलू बिष्ट, ताहिर हुसैन आदि ने स्व. राजीव गांधी को याद किया और कहा कि देश की प्रगति के लिए उनका समर्पण हम सबके लिए सदैव प्रेरणादायी रहेगा।

दो पक्षों में टकराव से कोतवाली में बखेड़ा

पुलिस पर महिलाओं से अभद्रता का आरोप

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। मटकोटा गांव में विवाद के बाद कोतवाली पहुंचे दो पक्ष आमने सामने आ गए। एक पक्ष के तीन लोगों को कोतवाली में बिठाने के बाद पुलिस दूसरे पक्ष के युवक को ले जाने लगी तो बखेड़ा खड़ा हो गया। युवक के साथ आई महिलाएं पुलिस से उलझ गई। पीड़ित पक्ष ने पुलिस पर महिलाओं से अभद्रता का आरोप भी लगाया है। जानकारी के मुताबिक फौजी मटकोटा गांव में सोमवार रात दो पक्षों में विवाद हो गया था। इस दौरान एक पक्ष कोतवाली पहुंच गया था। दूसरा पक्ष भी वहां पहुंच गया। दोनों के बीच विवाद होने लगा तो पुलिस ने एक पक्ष के तीन लोगों को कोतवाली के अंदर ले जाकर बैठा दिया। जब पुलिस दूसरे पक्ष के दो युवकों को अंदर ले जाने लगी तो महिलाओं ने विरोध कर दिया। इससे वहां हंगामा खड़ा हो गया। पुलिसकर्मी युवक को अंदर खींचते रहे जबकि महिलाएं उससे लिपटकर उसे ले जाने का विरोध करने लगीं। परिवार के लोगों की संख्या अधिक होने की वजह से पुलिस को उनको काबू करने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। इसी पक्ष के युवक ने पुलिस पर पिटाई करने का आरोप लगाया। इधर पुलिस को सौंपी तहरीर में युवती ने कहा कि पड़ोस में रहने वाले दो भाई अक्सर छेड़छाड़ करते हैं। मंगलवार को दोनों ने उसके साथ गालीगलौज की। जब उसने आपत्ति जताई तो आरोपी उसे खींचकर अपने घर ले गए। इसमें आरोपियों की मां और पिता ने भी सहयोग किया। अपने घर ले जाकर आरोपियों ने पिटाई के साथ ही गला दबाने की कोशिश की। इस दौरान उसे बचाने पहुंचे दो भाइयों को भी आरोपियों ने लाठी डंडे से पीट दिया। एसपी सिटी मनोज कत्याल ने बताया कि दो पक्ष कोतवाली में विवाद कर रहे थे। एक पक्ष के लोगों को पुलिस ने पूछताछ के लिए बैठा दिया था। जब दूसरे पक्ष के लोगों को पुलिस ले जाने लगी तो उन्होंने विवाद किया था। दोनों पक्षों की तहरीरों की जांच की जा रही है और नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

यूपीएससी की भर्तियां

विभिन्न मंत्रालयों में सचिव, उपसचिव और निदेशक के लिए सीधी भर्ती यानी 'लेटरल एंट्री' को आखिरकार सरकार ने रोक दिया है। पिछले हफ्ते चौबीस मंत्रालयों में ऐसे पैंतालीस पदों पर भर्ती के लिए संघ लोक सेवा आयोग ने विज्ञापन निकाला था, जिसे उसने अब रद्द कर दिया है। विपक्ष ने आरोप लगाया था कि सरकार इस तरह अपने पसंदीदा लोगों को भर्ती करना चाहती है। इससे अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़े समुदाय के लोगों के लिए संविधान में मिले आरक्षण के प्रावधान का उल्लंघन होगा। इस मसले पर सरकार के सहयोगी दलों ने भी विरोध में आवाज उठानी शुरू कर दी थी। दो दिन तक इसके अलग-अलग पक्षों पर खूब बहस हुई। अब सरकार ने यूपीएससी को पत्र लिख कर कहा है कि इन भर्तियों में भी सामाजिक न्यायका ध्यान रखा जाना जरूरी है। जाहिर है, इसे विपक्ष अपनी विजय के रूप में रेखांकित कर रहा है, मगर हकीकत यह है इसे सत्तापक्ष की पराजय नहीं कहा जा सकता। सत्तापक्ष ने केवल पैंतरा बदला है। यूपीएससी को लिखी कार्मिक मंत्रालय की चिट्ठी से जाहिर है कि सीधी भर्तियां तो होंगी, मगर आरक्षण का ध्यान रखते हुए। ऐसे में इस सवाल का जवाब शायद ही मिल पाए कि आखिर मंत्रालयों में इतने बड़े पैमाने पर बाहर के लोगों की सीधी भर्ती का औचित्य क्या है। मंत्रालयों में सीधी भर्ती का प्रावधान इसलिए किया गया था कि इस तरह निजी क्षेत्रों या दूसरे संस्थानों में काम कर रहे विशेषज्ञों की सेवाएं ली जा सकें। पहले भी सीधी भर्तियां होती रही हैं। ऐसे लोगों को तीन से पांच वर्ष तक की अवधि के लिए प्रतिनियुक्ति या तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है। अब बदलती जरूरतों के मुताबिक अनेक क्षेत्रों में तकनीकी विशेषज्ञता की दरकार बढ़ी है। इसी तर्क पर नई भर्तियां विज्ञापित की गई थीं। मगर इन्हें लेकर विवाद इसलिए भी उठा कि पहले ही विभिन्न मंत्रालयों में अनेक सीधी भर्तियां की जा चुकी हैं। सीधी भर्ती का अर्थ यह नहीं माना जाना चाहिए कि नियमित आधार पर भर्ती लोगों की योग्यता को नजरअंदाज कर दिया जाए। मंत्रालयों का कामकाज नौकरशाही के बल पर ही चलता है और उसमें विभिन्न अनुशासनों के लोग होते हैं। तकनीकी क्षेत्रों के लोगों की भी उसमें कमी नहीं है। फिर, बदलती जरूरतों के मुताबिक इन अधिकारियों को कौशल विकास के लिए विदेशों में भेज कर प्रशिक्षण भी दिया जाता है। ऐसे में बड़ी तादाद में बाहर से लोगों को लाने पर सवाल उठना स्वाभाविक है। सीधी भर्तियों के मामले में स्वाभाविक रूप से यह आरोप लगाना आसान हो जाता है कि ऐसे लोग प्राय: सरकार की इच्छा के अनुरूप ही काम करते हैं। फिर, ऊंचे पदों पर बाहर से लोगों को लाने की वजह से नियमित प्रशासनिक अधिकारियों की पदोन्नति के अवसर काफी सिकुड़ जाते हैं। हर नौकरशाह चाहता है कि वह मंत्रालयों में अपनी सेवाएं दे, मगर सीधी भर्ती से लोगों को लिए जाने के कारण उन्हें वह मौका नहीं मिल पाता। इस बात को लेकर भी प्रशासनिक अधिकारियों में असंतोष देखा जाता है। कई महत्त्वपूर्ण विभागों में सचिव स्तर पर पदोन्नति के बजाय लंबा कार्य विस्तार देखा जाने लगा है। अच्छी बात है कि सरकार ने सीधी भर्ती की प्रक्रिया पर विराम लगा दिया है, मगर उससे ठहर कर इस पर भी विचार करने की अपेक्षा की जाती है कि नियमित प्रशासनिक अधिकारियों की योग्यता और अपेक्षाओं का पारदर्शिता के साथ मूल्यांकन हो।

कर्णप्रयाग और टिहरी में तबाही ,कई मवेशी दफन

टिहरी/कर्णप्रयाग। उत्तराखंड में देर रात से बारिश आफत बनकर बरस रही है। बारिश के चलते कर्णप्रयाग और टिहरी में भारी नुकसान हुआ है। कई वाहन मलबे की चपेट में आए तो कई मवेशी भी जिंदा दफन हो गए। उधर, आज पर्वतीय जिलों में भारी से भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विज्ञान केंद्र के देहरादून, पौड़ी, नैनीताल, चम्पावत, ऊधमसिंह नगर, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिले में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। टिहरी जिले के भिलंगना ब्लॉक क्षेत्र में बीती रात को बारिश आफत बनकर बरसी। रात दो बजे के लगभग बारिश से घुत्तू भिलंग में भारी भूस्खलन हुआ है। कई मवेशी जिंदा दफन हो गए हैं। घुत्तू और आसपास के लगभग आठ से दस गांवों में अतिवृष्टि से जगह जगह भारी भूस्खलन और भू-धंसाव हो गया। जिस कारण जगह-जगह पर सड़कें बह गई हैं। कई पुलिया भी आपदा की भेंट चढ़ गई। घुत्तू देवलिंग में भारी बारिश से गोशाला पर मलबा आ गया। जिस कारण दो गाय और छ बछड़े मलबे में दब गए वहीं दो गाय घायल हुई है। जिला आपदा प्रबंधन कार्यालय से

बताया गया कि राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई है। मलबा हटाने का प्रयास किया जा रहा है। पूर्व जिला पंचायत सदस्य केदार बर्त्थवाल ने बताया कि अतिवृष्टि से मेंडू, सिंदवाल गांव, गवाना मल्ला, कंडारगांव, देवलिंग, सटियाला, बगर, चक्र गांव, लोम भाट गांव हिन्द कूड़ा आदि स्थानों पर भारी नुकसान हुआ है। रात से घुत्तू भिलंग क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति ठप पड़ी हुई है। गांवों की पेयजल लाइन भी जगह जगह क्षतिग्रस्त हो गई है। कर्णप्रयाग में बारिश से भारी नुकसान है। कई वाहन और घर मलबे की चपेट में आए हैं। बधाणी गांव में चार घरों के अंदर से पानी निकल रहा है। रात तीन बजे से लोगों में दहशत बनी हुई है। सुभाषनगर और अपर बाजार में कई वाहन मलबे की चपेट में आए हैं। देवतोली में एक घर का आंगन टूट गया और अन्य घरों में दरारें आई हैं। कर्णप्रयाग में नैनीताल हाईवे कई घंटे बंद रहा। यहां करीब 500 मीटर हिस्से में मलबा आने से सड़क बंद हो गई थी। वहीं, सुभाष नगर गधेरा उफान पर आ गया। जिससे अपर बाजार बाइपास भी बंद हो गया है। वहीं, कुमाऊं को जाने वाले वाहन भी फंसे रहे।

सच्चे सद्गुरू का मिलना परम सौभाग्य: श्री हरि चैतन्य

सांसद भट्ट ने राखी बांधकर लिया आर्शीवाद

किच्छा (उद संवाददाता)। श्री हरि कृपा पीठाधीश्वर एंव संत स्वामी श्री हरि चैतन्य पुरी जी महाराज ने यहाँ उपस्थित विशाल भक्त समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि सेवा धर्म इतना सरल नहीं है जितना हमने उसे समझा है यह सबसे कठिन है परंतु असंभव नहीं है। यदि हम प्रभु स्मरण करते हुए प्रयास करें तो असंभव को भी संभव किया जा सकता है। इससे पूर्व हल्द्वानी में सांसद अजय भट्ट सहित अनेक लोगों ने श्री महाराज को राखी बांध कर उनका आर्शीवाद प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि मैं नहीं कहता सारे संसार की सेवा करें या जितनी कोई और सेवा कर रहा हो उतनी सेवा करें, परंतु यह तो अवश्य कहूंगा कि जहां कर सके, जितनी

कर सके, जब कर सके, जैसे भी कर सके, जितनों व जिनकी कर सकें सेवा अवश्य करें। अपने धारा प्रवाह प्रवचनों से उन्होंने सभी को मंत्रमुग्ध व भाव विभोर कर दिया । सारा वातावरण " श्री गुरू महाराज ", " कामां के कन्हैया " व लाठी वाले भैय्या की जय जयकार से गूंज उठा। यहाँ पहुँचने से पूर्व श्री महाराज का हल्द्वानी के अनेक स्थानों पर मोटाहल्दू, गिधपुरी व आसपास के अनेक गाँवों में बड़ी संख्या में भक्तों ने भव्य स्वागत किया। श्री महाराज जी के हल्द्वानी नैनीताल आगमन पर बड़ी संख्या में भक्तों के साथ साथ सांसद व पूर्व केंद्रीय मंत्री अजय भट्ट, भाजपा व कांग्रेस के अनेक राजनेता, कई पूर्व मंत्री व विधायक भी स्वागत करके आशीर्वाद लेने वालों में सम्मिलित रहे। बड़ी संख्या में भक्तों ने श्री महाराज जी को राखी बांधीं। सामूहिक सुन्दर काण्ड पाठ व प्रवचन,भजन से भी सभी ने लाभ उठाया

जम्मू और कश्मीर के नए भूगोल में विधानसभा का चुनाव

जम्मू और कश्मीर में आजादी के बाद पहली बार समग्र समाजों को मिले मतदान के अधिकार के साथ विधानसभा चुनाव होगा। अभी तक यहां दलित एवं जनजातीय समुदायों को मताधिकार ही प्राप्त नहीं था। जबकि अब उन्हें आरक्षण का लाभ भी मिलेगा। यहां का भूपरिदृश्य बदलने एवं धारा-370 और 35-ए हटने के बाद 18 एवं 25 सितंबर और 1 अक्टूबर को मतदान होगा। 4 अक्टूबर को चुनाव परिणाम घोषित होंगे। जहां तक केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर का सवाल है, वहां 10 साल बाद चुनाव होने जा रहा है। इसके पहले 2014 में चुनाव हुए थे, जिसमें किसी भी दल को बहुमत नहीं मिला था। नतीजतन भाजपा और पीडीपी ने मिलकर कुछ समय गठबंधन सरकार बनाई और चलाई। 2019 में जम्मू-कश्मीर में लागू विशेष अनुच्छेद 370 संसदीय कार्यवाही पूरी कर खत्म कर दिया गया था। इसके बाद कांग्रेस समेत कश्मीर के दो राजनैतिक-पारिवारिक दल फारुक और मुफ्ती परिवार के मुखियाओं ने घाटी में अशांति बढ़ने की आशंका जताई थी। लेकिन वहां तब से शांति की बहाली तो है ही, पर्यटन से लोगों को खूब रोजगार मिला और अर्थव्यवस्था में गति आई। कश्मीर के आम नागरिकों ने पाकिस्तान पोषित आतंकवादियों को जता दिया कि वे इस अराजकता से तंग आ चुके हैं। यह कितना विडंबनापूर्ण है कि जिस पाकिस्तान में लोकतंत्र फौज की कठपुतली बना रहकर भुखमरी के कगार पर खड़ा है, वह भारत से आतंकवाद के बहाने छायायुद्ध लड़ने से बाज नहीं आ रहा है। आशंका है कि चुनाव की घोषणा के बाद आतंकी घटनाओं की संख्या बढ़ती दिखे ? लेकिन यही वह समय होगा जब कश्मीर की जनता न केवल पाकिस्तान को जवाब देगी, बल्कि कश्मीर में अलगाव और परिवारवाद का खेल खेलते रहे मुखौटाधारियों को भी सबक सिखाएगी। 25 जुलाई 2024 की स्थिति में जम्मू-कश्मीर में कुल मतदाता 87.09 लाख हैं। जो तीन चरणों में होने वाले चुनाव में मतदान कर नई सरकार चुनेंगे। 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश घोषित करने के साथ राज्य दो हिस्सों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में विभाजित हो गया। जम्मू- कश्मीर को विधानसभा का दर्जा दिया गया है, जबकि लद्दाख में कोई विधानसभा नहीं है। यहां दिल्ली एवं चंडीगढ़ की तरह राज्यपाल सत्ता शक्ति के प्रमुख केंद्र रहेंगे। जम्मू-कश्मीर के बंटवारे और विधानसभा सीटों के विभाजन संबंधी पुनर्गठन विधेयक-2019 के लागू होने के बाद इस राज्य की भूमि का ही नहीं राजनीति का भी भूगोल बदल गया। नए सिरे से किए गए परिसीमन के बाद यहां 7 विधानसभा सीटों की बढ़ोत्तरी हुई है। राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में मौजूदा आबादी और उसका लोकसभा एवं विधानसभा क्षेत्रों में प्रतिनिधित्व का आकलन आयोग ने किया था। साथ ही राज्य में अनुसूचित व अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित सीटों को सुरक्षित करने का भी अहम् निर्णय लिया। यानी सही मायनों में परिसीमन के नए परिणामों से भौगोलिक, सांप्रदायिक और जातिगत असमानताएं तो दूर हुई ही हैं, अनुसूचित जाति व जनजातियों के लिए सीटें भी आरक्षित कर दी गई हैं। अब जम्मू-कश्मीर में कुल 114 सीटें हैं, जिनमें से 90 सीटों पर चुनाव होंगे। इनमें 43 सीटें जम्मू और 47 सीटें कश्मीर में हैं। 24 सीटें गुलाम जम्मू-कश्मीर के लिए सुरक्षित हैं। जिन पर चुनाव नहीं होना है। 16 सीटें अनुसूचित जाति और

जनजातियों के लिए आरक्षित की गई हैं। इनमें से सात अनुसूचित जाति और 9 अनुसूजित जनजाती के लिए सुरक्षित हैं। विधानसभा के पांच सदस्य उप राज्यपाल को मनोनीत करने का अधिकार भी दिया गया है। इनमें से दो कश्मीरी प्रवासी यानी कश्मीरी पंडित होंगे। एक गुलाम कश्मीर से विस्थापित व्यक्ति को मनोनीत किया जाएगा। दो सदस्य महिलाएं मनोनीत होंगी। कश्मीर का प्रवासी उन्हें माना जाएगा, जिन्होंने 1 नबंवर 1989 के बाद घाटी से पलायन किया हो और उनका नाम राहत आयुक्त के रजिस्टर में दर्ज हो। जो भी व्यक्ति 1947-48, 1965 और 1971 के बाद वहां से पलायन कर भारत आए हैं, उन्हें विस्थापित माना जाएगा। आजादी के बाद जम्मू-कश्मीर में ऐसा पहली बार होगा, कि वाल्मिकी, गोरखा समाज और पाकिस्तान से आए विस्थापित पहली बार मतदान करेंगे। अन्य राज्यों के ऐसे लोग भी मतदान कर सकेंगे, जिनके पास प्रदेश का अधिवास पत्र व मतदान का अधिकार है। गुज्जर-बक्करवाल और पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाला जनजातीय समुदाय (अनुसूचित जनजाति) के लिए 9 विधानसभा क्षेत्र आरक्षित हैं। साथ ही अनुसूचित जाति के लिए भी 7 विधानसभा क्षेत्र सुरक्षित हैं। अतएव जिन लोगों को बीते 78 साल से घाटी के मूल निवासी होने के बावजूद न तो चुनाव लड़ने का अधिकार था और न ही मतदान का। अब तक कश्मीर में एक भी सीट पर जातिगत आरक्षण की सुविधा नहीं थी, जबकि इस क्षेत्र में 11 प्रतिशत गुर्जर बक्करवाल और गद्दी जनजाति समुदायों की बड़ी आबादी निवास करती है। अब ये समुदाय बढ़-चढ़कर चुनाव में भागीदारी कर अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ते हुए परिवार और अलगाववाद के लिए चुनौती बनते दिखाई दे सकते हैं। जम्मू-कश्मीर में अंतिम बार 1995 में परिसीमन हुआ था। राज्य का विलोपित संविधान कहता था कि हर 10 साल में परिसीमन जारी रखते हुए जनसंख्या के घनत्व के आधार पर विधान व लोकसभा क्षेत्रों का निर्धारण होना चाहिए। इस परिसीमन का भी यही समावेशी नजारिया रहा। जिससे बीते 10 साल में यदि जनसंख्यात्मक घनत्व की दृष्टि से कोई विसंगति उभर आई है, तो वह दूर हो जाए और समरसता पेश आए। इसी आधार पर राज्य में 2005 में परिसीमन होना था, लेकिन 2002 में तत्कालीन मुख्यमंत्री फारूख अब्दुल्ला ने राज्य संविधान में संशोधन कर 2026 तक इस पर रोक लगा दी थी। इस हेतु बहाना बनाया कि 2026 के बाद होने वाली जनगणना के प्रासंगिक आंकड़े आने तक परिसीमन नहीं होगा।परिसीमन से पहले जम्मू-कश्मीर में विधानसभा की कुल 111 सीटें थीं। इनमें से 24 सीटें पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) क्षेत्र में आती हैं। इस उम्मीद के चलते ये सीटें खाली रहती हैं कि एक न एक दिन पीओके भारत के कब्जे में आ जाएगा। बाकी 87 सीटों पर चुनाव होता है। अब तक कश्मीर यानी घाटी में 46, जम्मू में 37 और लद्दाख में 4 विधानसभा सीटें थीं। 2011 की जनगणना के आधार पर राज्य में जम्मू संभाग की जनसंख्या 53 लाख 78 हजार 538 है। यह प्रांत की 42.89 प्रतिशत आबादी है। राज्य का 25.93 फीसदी क्षेत्र जम्मू संभाग में आता है। इस क्षेत्र में विधानसभा की 37 सीटें आती थीं। दूसरी तरफ कश्मीर घाटी की आबादी 68 लाख 88 हजार 475 है। प्रदेश की आबादी का यह 54.93 प्रतिशत भाग है। कश्मीर संभाग का क्षेत्रफल राज्य के क्षेत्रफल का 15.73 प्रतिशत है। यहां से कुल 46 विधायक चुने जाते थे। इसके अलावा राज्य के 58.33 प्रतिशत वाले भू-भाग लद्दाख में संभाग में महज 4 विधानसभा सीटें थीं, जो अब लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद विलोपित कर दी गई हैं। साफ है, जनसंख्यात्मक घनत्व और संभागबार भौगोलिक अनुपात में बड़ी असमानता थी, जनहित में इसे दूर किया जाना, एक जिम्मेबार सरकार की संवैधानिक नैतिकता थी, जिसे केंद्र सरकार द्वारा गठित आयोग ने पूरा करके संविधान और लोकतंत्र दोनों की ही रक्षा की है। जम्मू-कश्मीर का करीब 60 प्रतिशत क्षेत्र लद्दाख में है। इसी क्षेत्र में लेह आता है, जो अब लद्दाख की राजधानी हैं। यह क्षेत्र पाकिस्तान और चीन की सीमाएं साझा करता हैं। लगातार 70 साल लद्दाख, कश्मीर के शासकों की बदनीयती का शिकार होता रहा है। अब तक यहां विधानसभा की मात्र चार सीटें थीं, इसलिए राज्य सरकार इस क्षेत्र के विकास को कोई तरजीह नहीं देती थी। लिहाजा आजादी के बाद से ही इस क्षेत्र के लोगों में केंद्र शासित प्रदेश बनाने की चिंगारी सुलग रही थी। अब इस मांग की पूर्ति हो गई है। इस मांग के लिए 1989 में लद्दाख बुद्धिस्ट एसोशिएशन का गठन हुआ और तभी से यह संस्था कश्मीर से अलग होने का आंदोलन छेड़े हुए थी। 2002 में लद्दाख यूनियन टेरेटरी फ्रंट के अस्तित्व में आने के बाद इस मांग ने राजनीतिक रूप ले लिया था। 2005 में इस फ्रंट ने लेह हिल डवलपमेंट काउंसिल की 26 में से 24 सीटें जीत ली थीं। इस सफलता के बाद इसने पीछे मुडकर नहीं देखा। इसी मुद्दे के आधार पर 2004 में थुप्स्तन छिवांग सांसद बने। 2014 में छिवांग भाजपा उम्मीदवार के रूप में लद्दाख से फिर सांसद बने। 2019 में भाजपा ने लद्दाख से जमयांग सेरिंग नामग्याल को उम्मीदवार बनाया और वे जीत भी गए। लेह-लद्दाख क्षेत्र अपनी विषम हिमालयी भौगोलिक परिस्थितियों के कारण साल में छह माह लगभग बंद रहता है। सड़क मार्गों व पुलों का विकास नहीं होने के कारण यहां के लोग अपने ही क्षेत्र में सिमटकर रह जाते हैं।

- प्रमोद भार्गव,लेखक, पत्रकार

गायत्री नगर शिवालिक विहार में जिलाधिकारी ने किया घरों का निरीक्षण

देवखडी नाले के पानी घुसने से सैकड़ों लोगो के घरों में नुकसान, वन विभाग को शीघ्र दीवार बनाने के निर्देश

नैनीताल (उद संवाददाता)। गायत्री नगर शिवालिक विहार में देवखडी नाले के पानी के नुकसान का जायजा लेते हुए जिलाधिकारी वंदना ने कहा कि क्षेत्र के लगभग 300 से 400 लोगो के घरों में मलवा आने के कारण नुकसान हुआ है उन्हें हर सम्भव मदद दी जायेगी। राजस्व विभाग ने साँय चार बजे तक सौ लोगों को अहेतुक राशि दे दी है।सर्वे जारी है अन्य लोगो को भी आज रात तक राहत राशि दे दी जाएगी। जिलाधिकारी ने अनेकों घरों का स्थलीय निरीक्षण कर स्थानीय लोगों से मुलाकात भी की और कहा कि जिन लोगों के घरों का नुकसान हुआ है प्रशासन द्वारा तत्काल सहायता राशि मौके पर दी जा रही है। उन्होंने कहा नगर निगम निगम के कार्मिको द्वारा लोगो के घरों और सड़कों से मलवा आदि निकालने का कार्य भी किया जा रहा है। उन्होंने आम पानी नाले, बरेला आम नाले के कैचमेंट से लेकर आबादी तक दीर्घकालीन सुरक्षा कार्य का प्रस्ताव एक सप्ताह में तैयार करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। सिंचाई, वन

विभाग, और न्नैक। की तकनीकी टीम नाले के स्थाई ट्रीटमेंट के लिए चल रहे सर्वे को एक सप्ताह में पूर्ण करेगी। गायत्री नगर के आन्तरिक कालोनियों मे छोटे नाले और गुल पर अतिक्रमण की शिकायत पर उपजिलाधिकारी को नालो पर अतिक्रमण का सर्वे करने के निर्देश दिये ताकि नाले के प्रवाह को सुचारू रूप से संचालित कर पानी के रूकावट को दूर किया जा सके। जिलाधिकारी द्वारा आमपानी, बरेला आम और देवखडी नाले के मुहाने पर तीन नालों (आमपाली, दुरगडी एवं बरेलाआम) नाले जो देवखडी नाले में मिलते है का स्थलीय निरीक्षण भी किया। वर्तमान में वन विभाग द्वारा तात्कालिक कार्य किये जा रहे है जिलाधिकारी ने वन महकमे के अधिकारी को तत्काल एक अतिरिक्त पोकलैंड लगाने के निर्देश दिये और दीवार बनाने के तात्कालिक कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने देवखडी नाले के स्थायी समाधान हेतु एडीबी के प्रोजेक्ट मैनेजर कुलदीप सिंह से स्टीमेट शीघ्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिये ताकि नाले के स्थायी समाधान हेतु कार्य प्रारम्भ हो सके। उन्होंने कहा बुधवार को तकनीकी टीम के साथ ही सिचाई, वन एवं एडीबी संयुक्त सर्वे कर स्थायी समाधान हो सके इसके लिए एक सप्ताह के भीतर डीपीआर प्रस्तुत करने के निर्देश मौके पर दिये। उन्होने कहा तकनीकी टीम द्वारा देवखडी नाले के जंगल के अन्दर जाकर सर्वे भी किया जायेगा तथा नाले के ऊपर चौकडैम के साथ साथ नाले को चौनलाईज किया जायेगा जिससे नाले के प्रवाह को सुरक्षित निकास दिया जा सकेगा। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त विशाल मिश्रा, उपजिलाधिकारी पारितोष वर्मा, मिश्रा,एडीबी प्रोजेक्ट मैनेजर कुलदीप सिह,रेंजर ख्याली राम, तहसीलदार सचिन कुमार सिंचाई,नगर निगम के साथ ही निवर्तमान मेयर डा0 जोगेन्द्रर पाल सिंह रौतला व स्थानीय लोग उपस्थित थे।

आजाद समाज पार्टी ने राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

किच्छा(उद संवाददाता)। आजाद समाज पार्टी के जिला प्रभारी धर्मेंद्र सिंह के नेतृत्व में दो दर्जन से अधिक कार्यकर्ताओं ने विभिन्न सरकारी, गैर सरकारी सेवाओं में संविधान के तहत आरक्षण लागू किए जाने की मांग को लेकर एक ज्ञापन उप जिलाधिकारी कौस्तुभ मिश्रा के माध्यम से भारत के राष्ट्रपति महामहिम को प्रेषित किया है। जिसमें कहा गया कि डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के अथक प्रयासों से भारतीय संविधान के अनुच्छेद 340 341 342 में आरक्षण की व्यवस्था की गई है व इस आरक्षण का आधार अनुच्छेद 15 (4)16 (4)में सामाजिक एवं शैक्षणिक रूप से पिछड़ा वर्णित हैं । आरक्षण की व्यवस्था के तहत 15% अनुसूचित जाति व 7.30 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति कथा 27 प्रतिशत अन्य पिछड़े वर्ग के लिए की गई है। इसी के तहत इन लोगों को शिक्षा एवं सरकारी नौकरी में आरक्षण दिया जा रहा है। परंतु आज तक किसी भी सरकारी विभाग में

आरक्षण को पूरा नहीं किया गया है। ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि अगस्त 2024 को सर्वोच्च न्यायालय में केंद्र सरकार को भी आदेशित किया है कि अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति को मिलने वाले आरक्षण का राज्य सरकार सर्वे कराकर लागू करें । आरक्षण का वर्गीकरण भी करें। ज्ञापन में चार अन्य बिंदुओं पर मांग की गई है जाति गणना करके कोटा सभी विभाग में पूरा किया जाये और गैर सरकारी संस्थानों में भी आरक्षण लागू करे।इसके अलावा यह भी उल्लेख किया गया है कि जब तक कोटा पूर्ण नहीं हो जाता है आरक्षण से छेड़ छाड़ न की जाए। ज्ञापन देने वाला में मनोज कुमार एडवोकेट, शिव कुमार, राधा रानी, राम भरोसे, शैलेंद्र कुमार सागर ,रवि कुमार भारती, नंदलाल सागर, विक्की सागर ,करण सागर, मनोज सागर, शेर सिंह, हरिशंकर, रमेश लाल, राजेंद्र कुमार ,नितिन सागर, आशु सागर ,सूरजपाल सागर ,सहित अन्य लोक शामिल थे।

राष्ट्रीय लोक अदालत 14 सितम्बर को

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। आगामी 14 सितम्बर द्वितीय शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित होगी। जानकारी देते हुये सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण योगेन्द्र कुमार सागर ने बताया कि उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, नैनीताल के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, ऊधम सिंह नगर द्वारा जनपद में 14 सितम्बर को प्रात: 10 बजे से सांय 05 बजे तक रूद्रपुर सहित वाह्य स्थित दीवानी न्यायालयों काशीपुर, खटीमा, बाजपुर, जसपुर, सितारगंज एवं किच्छा में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण योगेन्द्र कुमार सागर ने बताया कि 14 सितम्बर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में प्री-लिटीगेशन के वादों का निस्तारण किया जाएगा जैसे- भरण पोषण, धारा 138 एन0आई0एक्ट, धन वसूली, आपराधिक शमनीय व सिविल श्रम विवाद, विद्युत व जलकर बिल से सम्बन्धित मामलों का निस्तारण किया जायेगा। इसके अतिरिक्त न्यायालयों में लम्बित शमनीय प्रकृति के आपराधिक वाद, मोटर दुर्घटना प्रतिकर वाद, श्रम संबंधी वाद, विद्युत व जलकर बिल संबंधी वाद, वैवाहिक वाद (तलाक को छोड़कर), भूमि अधिग्रहण वाद, भुगतान व भत्तों से संबंधित सर्विस के मामले, जिला न्यायालय में लम्बित राजस्व वाद एवं अन्य सिविल मामले (किरायेदारी, सुखाधिकार, व्यादेश) आदि मामलों का निस्तारण किया जाएगा। यदि किसी व्यक्ति को अपने लम्बित मामले को सुलह-समझौते के माध्यम से निस्तारित करवाना चाहते है तो वह स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से संबंधित न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर अपना मामला निस्तारित करवा सकते है। उन्होंने जनता से अपील करते हुये कहा कि जो भी व्यक्ति अपने मामलों को राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से निस्तारित करवाना चाहते हैं तो वे 14 सितम्बर से पूर्व किसी भी कार्यदिवस में संबंधित न्यायालय में स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से आवेदन कर सकते है। अधिक जानकारी के लिये कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जिला न्यायालय परिसर, रूद्रपुर, ऊधम सिंह नगर में या दूरभाष संख्या 05944-250682, हैल्प डैस्क नं0- 941153 1449 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

एसबीआई अधिकारी संगठन का सम्मेलन एवं सम्मान समारोह आयोजित

हल्द्वानी (उद संवाददाता)।भारतीय स्टेट बैंक अधिकारी संगठन द्वारा दिल्ली मंडल प्रवाहक के वरिष्ठ पदाधिकारियों की उपास्थिति में अधिकारियों का सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में हल्द्वानी अंचल के उप महासचिव त्रिभुवन सिंह पांगती द्वारा समस्त सदस्यों को संगठन की आवश्यकता एवं संगठन द्वारा अधिकारियों

के हित में किये गये विभिन्न क्रिया कार्यों का विस्तार से वर्णन किया। कार्यक्रम का संचालन राजीव कुमार, उपाध्यक्ष हल्द्वानी अंचल द्वारा किया गया। कार्यक्रम में संगठन के क्षेत्रीय सचिवों हरीश चन्द्र पुनेठा, हेमन्त पुजारी, मुकेश चन्द्र, अभिनव असगोला, विकास कुमार, अजय कुमार, मयंक तिवारी ने अपने विचार व्यक्त किये। सम्मेलन में हल्द्वानी में स्थित समस्त शाखाओं के अधिकारी उपस्थित रहे एवं संगठन को सदैव अधिकारियों के हितों हेतु समर्पित भावना से कार्य करने का निर्णय लिया गया।

क्षैतिज आरक्षण विधेयक की मंजूरी राखी का उपहार : कैलाश पंडित

किच्छा(उद संवाददाता)। उत्तराखंड राज्य निर्माण आंदोलनकारी संयुक्त मोर्चा

के पूर्व जिला अध्यक्ष एवं वरिष्ठ आंदोलनकारी कैलाश पंडित ने राज्य सरकार की नौकरियों में 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण विधेयक को राजभवन से स्वीकृति मिलने पर खुशी जताई है। उन्होंने इसे संघर्ष का परिणाम बताते हुए कहा कि रक्षाबंधन पर इससे बड़ा उपहार नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि वर्तमान उत्तराखंड की पुष्कर सिंह धामी सरकार द्वारा उत्तराखंड के राज्य आंदोलन कार्यों को सरकारी नौकरियों में 10% आरक्षण देकर जो कार्य किया है वह उत्तराखंड राज्य निर्माण के लिए संघर्षरत प्रत्येक व्यक्ति के लिए मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड राज्य का निर्माण यहां की भौगोलिक परिस्थितियों से जूझ रहे बेरोजगारों शिक्षित युवाओं तथा अन्य जटिल समस्याओं के निराकरण हेतु किया गया था किंतु अभी इस पर धरातल पर रहकर कार्य करने की आवश्यकता है ।यह भी कहा कि जिस प्रकार उत्तराखंड राज्य आंदोलन कार्यों के लिए सरकार वचनबद्ध है ।उसी प्रकार संपूर्ण उत्तराखंड के प्रत्येक शिक्षित बेरोजगार युवा के लिए भी उत्तराखंड की सरकारों को जागना होगा प्रत्येक व्यक्ति को रोजी-रोटी के लिए व्यवस्थाएं सरकार को देनी होगी उन्होंने कहा कि रोजगार की कमी के कारण पर्वतीय क्षेत्र से पलायन हो रहा है जिसको रोकने के लिए भी भरसक प्रयास करने होंगे अन्यथा चीन से लगती हमारी सीमाओं में सुरक्षा की समस्या उत्पन्न हो जाएगी। धामी सरकार को चाहिए कि सभी सीमावर्ती क्षेत्रों में प्रत्येक व्यक्ति के लिए रोजगार परक संसाधनों का विकास करें ताकि पर्वती क्षेत्र से पलायन को रोका जा सके और देश की सीमाओं को सुरक्षित किया जा सके। आंदोलनकारी लंबे समय से आंदोलनरत थे। पूर्व में कई बार मुख्यमंत्री आवास कूच किया गया तो कई बार जिला प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री को पत्र भेजा गया था। रविवार को राज्य आंदोलनकारियों को राज्य सरकार की नौकरियों में 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण मिलने का रास्ता साफ होने पर उन्होंने राज्यपाल और मुख्यमंत्री का आभार जताया।

पेज एक का शेष...

दर्दनाक हादसे में गर्भवती...तेज गति से आती कार संख्या यूपी 25 बीडी 6168 के चालक बरेली निवासी बबलू ने ई रिक्शा को टक्कर मार दी जिसके बाद वह वाहन पर से नियंत्रण खो बैठा और कार अनियंत्रित होकर सड़क के डिवाईडर में लगे विद्युत पोल से जा टकराई और क्षतिग्रस्त हों गई। वहीं कार की टक्कर से ईरिक्शा के परखच्चे उड़ गये और उसमें सवार सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। उनकी चीख पुकार की आवाज सुनकर रात्रि में गुजरते कई लोग वहां आ गये। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस कर्मी भी आ गये । सभी घायलों को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने गर्भवती महिला ज्योति, उर्मिला, विभा और ई रिक्शा चालक मनोज को मृत घोषित कर दिया। जबकि घायल ललिता व कांति की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें हायर सेंटर रैफर कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही मृतकों व घायलों के परिजन जिला चिकित्सालय आ गये और उनमें कोहराम मच गया। पुलिस ने मृतकों के शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाऊस भेजा। प्रात: घटना की जानकारी मिलते पर एसएसपी मंजूनाथ टीसी, एसडीएम मनीष बिष्ट, पीएमएस डा. केके अग्रवाल, डा. एमके तिवारी, तहसीलदार दिनेश कुटौली, एसएसआई अशोक कुमार, ट्रांजिट कैम्प थानाध्यक्ष भारत सिंह, रम्पुरा चौकी प्रभारी एसआई नवीन बुधानी सहित तमाम जनप्रतिनिधि व भारी संख्या में लोग पोस्टमार्टम हाऊस पहुचे और उन्होंने मामले की विस्तार से जानकारी ली। बताया जाता है कि मृतका गर्भवती ज्योति की उर्मिला जेठानी और विभा देवरानी थी। उर्मिला के पति का पूर्व में देहांत हो चुका है। उर्मिला के पांच बच्चे है। उर्मिला मजदूरी करती थी। विभा के पति प्रमोद एलआईसी एजेंट हैं और इनके दो बच्चे हैं। घायल ललिता भी उर्मिला की देवरानी है। मृतक ई रिक्शा चालक मनोज के चार बच्चे हैं। मृतक मनोज आरएएन स्कूल के पास सरस्वती विहार कॉलोनी में रहते थे। मृतका ज्योति मूल रूप से बिहार की रहने वाली थी और डेढ़ साल पहले उसकी शादी हुई थी। ज्योति का पति रविन्द्र सहनी एक कंपनी में काम करता है। मृतका ज्योति की सास कांति देवी बरेली में भर्ती हैं।

लापरवाही भर्ती कर लेते...चार लोगों की जान चली गई। यदि चिकित्सक द्वारा गर्भवती ज्योति को भर्ती कर लिया जाता तो शायद चार लोगों सहित गर्भस्थ शिशु की जान बच सकती थी। लेकिन जिला चिकित्सालय के चिकित्सक और स्टाफ की भारी लापर वाही के चलते इतना बड़ा हादसा हो गया।

दुर्घटना की मजिस्ट्रेटी ...महिला को इतनी रात में रैफर कर दिया गया, यह जिला अस्पताल की घोर लापरवाही है। उन्होंने कहा कि इस मामले में सम्बंधित चिकित्सक के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। साथ ही उन्होंने परिवार को उचित मुआवजा दिलाने और घटना की मजिस्ट्रीयल जांच कराने की भी मांग की। जिस पर जिलाधिकारी ने कहा कि एडीएम को घटना की मजिस्ट्रीयल जांच के आदेश दे दिये गये हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि मृतकों के परिजनों को परिवहन विभाग से मुआवजा दिलाने के साथ ही शासन से भी उचित मुआवजा दिलाने के लिए पत्र लिखेंगे। उन्होंने कहा कि जिला अस्पताल में हुई लापरवाही की भी जांच की जायेगी।

नाले में बहे बाइक सवार...पर्वतीय क्षेत्र में गये थे। तीनों युवक एक ही बाइक संख्या यूके 19बी 4935 पर सवार होकर कोटाबाग पहुंचे। देर शाम अत्यधिक बारिश होने से युवक बैगड़ नाले में बह गये। तीन युवकों में से दो युवकों को पुलिस और ग्रामीणों ने बचा लिया लेकिन मनीष सती पुत्र विपिन चंद सती नाले के तेज बहाव में बह गया। चौकी प्रभारी रमेश चंद्र पंत को घटना की सूचना स्थानीय लोगो ने दी। चौकी कोटाबाग की टीम के साथ स्थानीय लोग ने देर रात बहे युवक का शव बरामद कर लिया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया जबकि घायलों को अस्पताल भर्ती कराया गया है। घटना से मृतक के परिवार में कोहराम मचा है।

बरसाती नाले में ...साथ रेस्थ्यू अभियान शुरू किया। पुलिस ने वाहन में सवार चार लोगों को सकुशल निकालकर उनकी जान बचाई। वाहन में सवार लोगों में ग्राम मुझोली रानीखेत निवासी 22 वर्षीय मुकेश कुमार पुत्र बची राम,75 वर्षीय पूरन राम पुत्र बच्ची राम ,70 वर्षीया ललिता देवी पत्नी बची राम एवं 17 वर्षीय करण पुत्र धर्मपाल शामिल थे।

सरेआम बालक को ...नहीं की है। वही बच्चा अगवा करने की सीसीटीवी वीडियो सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रही है। जिसमे अज्ञात व्यक्ति बालक को गोद में लेकर जाता दिखाई दे रहा है। जहीर अहमद पुत्र रहीस अहमद ने बताया कि उनका आठ वर्षीय बेटा तैमूर अली अपने मामा के घर से अपने घर जा रहा था। इस दौरान अज्ञात व्यक्ति ने उसको उठा लिया। तेमूर ने उसके हाथ में काटकर अपने आप को छुड़ाया और घर आकर सांस ली। एसपी सिटी मनोज कत्याल ने बताया पूरे मामले में जांच की जा रही है जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर(उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक- परमपाल सुखीजा
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

सचिवालय में 'बड़े बदलाव' की तैयारी में 'धामी सरकार'

राज्य सचिवालय में लंबे समय से एक ही विभाग में जमे कार्मिकों पर सरकार की नजर टेढ़ी,सचिवालय के लिए नई संशोधित तबादला नीति लाने की कवायद शुरू, तबादला नियमावली तैयार करने में जुटा सचिवालय प्रशासन

-अर्श-

देहरादून। राज्य सचिवालय, जहां से उत्तराखंड के हर छोटे- बड़े अधिकारी-कर्मचारी की तबादला फाइल होकर गुजरती है, के अधिकारियों-कर्मचारियों पर प्रदेश में लागू वर्ष 2007 की तबादला नीति तनिक भी प्रभावी नहीं है। हालात कुछ ऐसे हैं कि राज्य सचिवालय के अनेक महत्वपूर्ण विभागों में कई अफसर लंबे समय से जमे हुए हैं और वरिष्ठता की आड़ में जमकर मनमानी भी कर रहे हैं। हाल ही में उत्तराखंड सचिवालय संघ के अध्यक्ष सुनील लाखेड़ा ने सचिवालय में लंबे अरसे से जमे अधिकारियों-कर्मचारियों को तबादला नीति के दायरे में लाने की ओर राज्य के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का ध्यान आकर्षित कराया था, जिसे मुख्यमंत्री ने काफी गंभीरता से लिया है और अब उत्तराखंड सरकार सचिवालय के कार्मिकों के लिए संशोधित तबादला नीति लाने की तैयारी में जुट गई है ।अगर सरकार नई तबादला नीति सचिवालय कार्मिकों पर लागू कर पाती है, तो यह एक बड़ा बदलाव होगा। वह इसलिए, क्योंकि वर्ष 2007 की तबादला नीति कहने को सचिवालय में लागू तो की गई थी, लेकिन कुछ वरिष्ठ अधिकारियों ने इसे ठेंगा दिखा दिया । नतीजतन महत्वपूर्ण विभागों की जिम्मेदारी कुछ ही अफसर और कर्मचारियों के पास तक ही सीमित रह गई है और कुछ अफसर-कर्मचारी आज भी अपनी बारी के इंतजार में हैं । दरअसल सचिवालय में तबादला नीति प्रभावी नहीं हो पाने की एक बड़ी वजह सचिवालय में अपनी पसंद का मातहत अधिकारी रखने का चलन है। सचिवालय में सबसे ज्यादा समस्या अनुभाग अधिकारी, निजी सचिव और समीक्षा अधिकारी के पदों पर सामने आती है।विभागों के प्रमुख सचिव या सचिव स्तर पर अनुभाग अफसरों के साथ ही निजी सचिव पद पर पसंद देखी जाती है। प्रमुख सचिव या सचिव जिस विभाग में जिम्मेदारी लेते हैं, उनका निजी सचिव वहीं बना रहता है। इसके अलावा अनुभाग अधिकारी को लेकर भी उच्चस्थ अधिकारियों की इच्छा के आधार पर तैनाती कर दी जाती है। अनुभाग अधिकारी अपनी सुविधानुसार समीक्षा अधिकारी की इच्छा रखता है। इस प्रकार सचिवालय में असरदार अधिकारियों- कर्मचारियों की एक पूरी चौन लंबे समय तक एक ही विभाग में काबिज रही आती है और विभाग में पुराने हो जाने के कारण यह नियमों को भी अपनी सुविधा के हिसाब से लागू करने लग जाते हैं ।मगर इस मसले पर मुख्यमंत्री के रुचि लेने और उनके निर्देश पर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी द्वारा सचिवालय प्रशासन के साथ ट्रांसफर पॉलिसी के संशोधन के संबंध में बैठक करने और सचिवालय प्रशासन विभाग को जरूरी संशोधन से जुड़े ड्राफ्ट तैयार कर अगली बैठक में प्रस्तुत करने के निर्देश मुख्य सचिव के स्तर पर दिए जाने के बाद ,यह समझा जाने लगा है कि धामी सरकार अधिकारियों कर्मचारियों के विभिन्न हथकंडों के सहारे एक ही विभाग अथवा पद पर जमे रहने की संस्कृति को खत्म करने के प्रति दृढ़ संकल्पित है और निकट भविष्य में सचिवालय के कई असरदार अफसर एवं कर्मी अपने पुराने विभागों से इधर उधर होते देखे जाएंगे।

डेंगू से सम्बंधित जानकारी के लिए हेल्पलाईन नंबर जारी

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। बरसात के दिनों मच्छरों से पनपने वाले डेगू रोग की रोकथाम के लिये प्रशासन ने सतर्कता एवं सावधानी बरतने की अपील की है। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 मनोज कुमार शर्मा ने बताया कि स्वास्थ्य मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत द्वारा दिये गये आदेशों के क्रम में डेंगू से सम्बन्धित किसी भी प्रकार की जानकारी हेतु हेल्प लाईन नम्बर जारी किया है। उन्होंने बताया कि जिला नोडल अधिकारी डॉ0 राजेश आर्या मो0-9410364519, एपिडि मियोलॉजिस्ट डा, संतोष कुमार पाण्डेय मो0-7668561064, वैक्टर बोर्न डिजीज कंसलटेंट मो. 9536467606 पर सम्पर्क कर 24 घंटे किसी भी समय जानकारी प्राप्त की जा सकती है। इसके अतिरिक्त कार्यालय मुख्य चिकित्साधिकारी के टेलीफोन नम्बर 05944- 250100 पर कार्य दिवस में प्रात: 10 बजे से सांय 05 बजे तक जानकारी ली जा सकती है।

खटीमा में उठी रूद्रपुर कोतवाल को हटाने की मांग

खटीमा (उद संवाददाता)। रूद्रपुर में कोतवाल मनोहर दसौनी द्वारा पत्रकार दीपक शर्मा के साथ की गयी अभद्रता के विरोध में पत्रकार प्रेस परिषद खटीमा इकाई ने एसडीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर कोतवाल के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपते हुए पत्रकारों ने कहा कि जनपद में पत्रकार उत्पीड़न की घटनायें लगातार बढ़ रही है। रूद्रपुर कोतवाली में बीते दिनों पत्रकार दीपक शर्मा के साथ कोतवाल दीपक शर्मा ने न सिर्फ अभद्रता की बल्कि पत्रकारों को देख लेने की धमकी भी दी। कहा कि कोतवाल का यह व्यवहार शर्मनाक और निंदनीय है। कोतवाल के इस कृत्य से मित्र पुलिस की छवि भी धूमिल हुई है। पत्रकारों ने मामले की निष्पक्ष जांच करते हुए कोतवाल मनोहर दसौनी को रूद्रपुर से तत्काल हटाये जाने की मांग की। ज्ञापन देने वालों में अध्यक्ष अशोक सरकार,अजय गुप्ता,दीपक यादव,सुंदर बहादुर, नवीन भट्ट,गणेश पुजारा,आमिर अंसारी, किशोर, मुस्तकीम अंसारी, संदीप भटनागर,सलीम,अमित कुमार, अनुज शर्मा, गुड्डू खान,हेमंत कुमार,माया शंकर, भारत चौपाल,टोनी वर्मा ,आमिर राजा,विजय कुमार आदि शामिल थे।

रैफर सेंटर बनकर रह गया है किच्छा का सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द, कई पद रिक्त

किच्छा(उद संवाददाता)। किच्छा विधानसभा क्षेत्र का एकमात्र स्वास्थ्य केंद्र चिकित्सा अधिकारियों के लिए तरस गया है। स्वीकृत पदों के सापेक्ष सरदार वल्लभभाई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सा अधिकारियों की नियुक्ति न होने से स्वास्थ्य केंद्र मात्र रेफर केंद्र बनकर रह गया है। राजनीतिक स्तर पर स्थानीय नेताओं का दावा एकदम खोखला साबित हो रहा है। चिकित्सालय में पिछले कई वर्षों से अटैचमेंट से सरकार काम चला रही है किंतु अब अटैचमेंट का भी टोटा हो गया है। हालात यहां तक है कि किच्छा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को पिछले कई वर्षों से चिकित्सा अधीक्षक तक भी नियमित रूप से नहीं मिल पाया है यही हाल शल्य चिकित्सक, निश्चेतक, फिजिशियन, पब्लिक हेल्थ विशेषज्ञ और फार्मासिस्ट के पदों का है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कुल चिकित्सा अधिकारियों के सृजित पदों की संख्या 13 है इसमें से सात पद पिछले कई वर्षों से रिक्त चल रहे हैं जिस वजह से आम आदमी को इलाज हेतु बाहर ही जाना पड़ रहा है। प्रदेश की धामी सरकार का दवा प्रत्येक को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराए जाने का एकदम खोखला साबित हो रहा है। स्वास्थ्य केंद्र में जहां तमाम उपकरण दवाएं आदि की सुविधा तो मौजूद है किंतु संबंधित विभाग के चिकित्सक की तैनाती न होने के कारण सब कुछ बेकार साबित हो रहा है यही नहीं कुछ जगह पर आवश्यकता अनुसार सरकार द्वारा कर्मचारियों की समुचित व्यवस्था शासन स्तर से नहीं की गई है। वर्तमान में स्वास्थ्य केंद्र में एक रेडियोलॉजिस्ट, एक बालरोग विशेषज्ञ, दो चिकित्सा अधिकारी, एक दंत चिकित्सक,एक महिला चिकित्सा अधिकारी ही तैनात है जिन्हें भी समय समय पर विभिन्न सरकारी सेवाओं पर जाना पड़ता है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि दो फार्मासिस्टों के पदों के सृजित होने के बावजूद भी वर्तमान में एक ही फार्मासिस्ट की नियुक्ति की गई है।

मरीज को देखने के लिए नहीं था कोई चिकित्सक कांग्रेसियों ने अस्पताल में किया जमकर हंगामा

गदरपुर (उद संवाददाता)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार कराने गए मरीज को मौके पर कोई भी चिकित्सक मौजूद नहीं मिला। अस्पताल की लापरवाही और मनमानी की कई बार शिकायत मिलने से गुस्साए कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने अस्पताल प्रशासन का घेराव कर अपना रोष जताया। उन्होंने सीएमओ को शिकायती पत्र भेजकर कार्यवाही की मांग की।मरीज का उपचार ना होने से आक्रोशित वरिष्ठ कांग्रेस नेता राजेंद्र पाल सिंह के नेतृत्व में दर्जनों कांग्रेसी कार्यकर्ता सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे जहां अव्यवस्थाओं को लेकर उनका गुस्सा फूट पड़ा। जहां उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में अव्यवस्थाओं को लेकर प्रभारी चिकित्साधिकारी संजीव सरना का घेराव किया। बता दें कांग्रेस नेता राजेंद्र पाल सिंह एक गंभीर हालत वाले मरीज को लेकर सामुदायिक केंद्र पहुंचे थे। उन्होंने आपातकालीन ड्यूटी में तैनात महिला चिकित्सक को सूचना दी। सूचना देने के बाद भी महिला चिकित्सक ने मरीज को देखने आने में देरी की। इस दौरान राजेंद्रपाल सिंह ने सीएमओ को मामले से अवगत कराते हुए शिकायत की थी। उनका कहना था आपातकालीन ड्यूटी में तैनात चिकिसक गैर जिम्मेदारी से कार्य कर रहे हैं। डा. सरना ने पूरे मामले को संज्ञान में आने पर नियमानुसार कार्यवाही का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया की महिला चिकित्सक आठ माह की गर्भवती है, जिसको आने में देरी हुई थी। उन्होंने बताया कि सीएमओ के निर्देश पर महिला चिकित्सक को स्पष्टीकरण देने के लिए नोटिस जारी किया गया है। धेराव करने वालों में शैलेंद्र शर्मा, गुरविंदर सिंह विर्क, मिक्की भगत, राजेश बाल्मीकि, संजीव अरोरा, शिवम गगनेजा, राजेश बाबा, हरविंदर बत्रा, विजय गुंबर, लाल चंद सहित तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे ।

गुरू मां
उत्तराखंड की सबसे बड़ी इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेल चेन
गर्मियों में ठंड जैसी राहत
गुरू मां
36 महीने तक की EMI उपलब्ध
Budget Ac
Premium Split Ac
Mid-Range Split Ac
Heavy-Duty Split Ac
Easy EMI Options Available
SONY Whirlpool SAMSUNG IFB Haier BOSCH VOLTAS
DAIKIN HITACHI MITSUBISHI ELECTRIC GENERAL LLOYD BLUE STAR
Refrigerator की सबसे बड़ी रेंज उपलब्ध
Deep Freezer की सबसे बड़ी रेंज उपलब्ध
RO Purifier की सबसे बड़ी रेंज उपलब्ध
Water Dispencer की सबसे बड़ी रेंज उपलब्ध
Air Cooler की सबसे बड़ी रेंज उपलब्ध
RUDRAPUR- Civil Line +91-9927882338, Kashipur Bypass +91-9690282777 , Kashipur Bypass +91-9756233166 , Sony Center +91-9917170230 KASHIPUR- Ramnagar Road +91 8791989500, Cheema Chauraha +91 9927813555 HALDWANI- Tikonia +91-9997207007, Pilikothi +91-8923468434, Pilikothi +91-9690256666, HARIDWAR- Haridwar +91-9761699704 MORADABAD- Moradabad +91-7500839146, GADARPUR- Near Super Market +91-9927850999, KICHHA- Kichha +91-7017595920, LOHAGHAT- Daak Bangla Road +91-9568035735 DEHRADUN- Kaluagarh Road +91-8394949454 PANIPAT- West Market Opp. Central Bank +91-8607964000 KARNAL-Mangal Singh Market +91-8684077000 , 49 Ram Nagar +91-8908350000